✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 10 अंक - 183

बक्सर, मंगलवार 03 नवम्बर 2026

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.



◄ 7 |

"हम मात्र प्रवचन से नहीं अपितु आचरण से परिवर्तन करने की संस्कृति में विश्वास रखते हैं।

बढ़ेगा सियासी पारा

'विदेशी मदद से पीएम बने मोदी', राहुल गांधी ने खुली बहस के लिए ललकारा



नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सियासत में विदेशी एंगल आ ही गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी विदेशी मदद की वजह से प्रधानमंत्री बने हैं और आज भी विदेशी सपोर्ट के सहारे ही अपनी कुर्सी पर बने हुए हैं। राहुल गांधी ने यह हमला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए किया है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद देश की सियासी पारा एक बार फिर बढ़ेगा।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी का पूरा फाइनेंशियल सिस्टम विदेशियों के कंट्रोल और सपोर्ट में चल रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी प्रधानमंत्री को पूरा सपोर्ट करते हैं। कांग्रेस नेता ने सीधे मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि मिस्टर मोदी, इस देश से झूठ बोलना बंद करें। इस दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती भी दे दी। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर मोदी से किसी भी स्टेज पर और किसी भी समय बहस करने को तैयार हैं। राहुल ने लिखा कि मैं आपको इस बारे में खुली बहस के लिए चैलेंज करता हूं। किसी भी स्टेज पर, किसी भी समय। अगर आपमें हिम्मत है तो आइए। आप हिम्मत नहीं कर पाएंगे, क्योंकि आप मेरे बारे में जो कुछ भी जानते हैं, उससे आप डरे हुए हैं।

दरअसल, राहुल गांधी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के 'एकता दिवस' भाषण के जवाब में आई है। 'एकता दिवस' के मौके पर दिए गए भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर देश के विकास में रुकावट डालने का आरोप लगाया था। इस दौरान उन्होंने विपक्ष को 'अवरोध पक्ष' कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा था कि जब देश बाहरी चुनौतियों का समाधान ढूंढ रहा था, तब देश के अंदर भी कुछ ताकतें झूठ और अफवाहें फैलाकर अस्थिरता पैदा कर रही थीं। लेकिन देश के लोग देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और देश को मजबूत बनाए रखा। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारा दुर्भाग्य है कि इस समय देश में विपक्ष, विरोध पक्ष की जगह अवरोध पक्ष बन गया है। अपनी हताशा में ये लोग देश के विकास के रास्ते में रुकावट बनकर खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि देश को बांटने की साजिश में लगी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहना जरूरी है। मोदी ने यह भी कहा था कि सोशल मीडिया का हथियार बनाया जा रहा है। अफवाहें फैलाई जा रही हैं और भारत की इमेज खराब करने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना था कि कुछ ताकतें जानबूझकर देश के अंदर अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रही हैं, जबकि देश के लोग एकजुट होकर खड़े हैं।

सरकार भी कुछ नहीं कर पाएगी

कंपनी जितना चाहेगी उतना बढ़ाएगी किराया



नई दिल्ली (एजेंसी)। हवाई किराए को लेकर भारत में भी अब नया नियम लागू होने जा रहा है। इस नियम के तहत सरकार किसी विशेष परिस्थिति के अलावा किराया बढ़ाने या घटाने में कोई दखल नहीं देगी। सरकार ने भारतीय वायुसेना नियम 2026 का नोटिफिकेशन जारी करते हुए बताया है कि 1 जनवरी 2027 से इसे लागू कर दिया जाएगा. एक रिपोर्ट के मुताबिक नई एयरफेयर पॉलिसी के मुताबिक अब एयरलाइन्स पर सरकारी की तरफ से किराया बढ़ाने पर पाबंदी नहीं लगाई जाएगी. हालांकि किसी विशेष परिस्थिति में जनता के हित में सरकार दखल दे सकती है।

नोटिफिकेशन में कहा गया है कि संचालन की लागत के मुताबिक एयरलाइन्स को किराया तय करना होगा और इसकी जानकारी डीजीसीए को देनी होगी। इसके अलावा पारदर्शिता के लिहाज से वेबसाइट पर भी जानकारी अपलोड करनी होगी। एयरलाइन्स से किराए का ब्रेकअप भी शेयर करने को कहा गया है। इस नोटिफिकेशन में कहा गया है कि एयरलान्स को बेस किराया, टैक्स, फ्रीस, कैंसिलेशन चार्ज और रिफंड की सारी जानकारी देनी होगी। इसके अलावा अगर कोई विशेष परिस्थिति बनती है तो सरकार निर्देश दे सकती है।

विमान ईंधन के दाम में बढ़ोतरी

रविवार से एटीएफ की कीमत में 1.37 रुपये प्रति लीटर और 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में 10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोलियम कंपनियों के मुताबिक, दिल्ली में एटीएफ की कीमत 137.12 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 138.50 रुपये प्रति लीटर हो गई है। विमान ईंधन कीमतों में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले एक अक्टूबर को एटीएफ की कीमत में 16 रुपये प्रति लीटर की बड़ी वृद्धि की गई थी। वहीं, सितंबर में 6.28 रुपये और अगस्त में पांच रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। विमान ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से एयरलाइन कंपनियों की परिचालन लागत पर दबाव बढ़ेगा।

संबित पात्रा ने कांग्रेस से पूछा सवाल

आपके समय में एसआईआर तो ठीक, हम कर रहे तो गलत?

नई दिल्ली (एजेंसी)।



एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच भाजपा सांसद संबित पात्रा सोमवार को बनारस पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एसआईआर पर विवाद को गैरजरूरी बताया। पात्रा ने कहा कि यह 12वां एसआईआर है। समय-समय पर किनका नाम कटना चाहिए किनका नाम जुड़ना चाहिए यह प्रक्रिया होती है। कांग्रेस के समय में 10 एसआईआर हुए, 2 एसआईआर हमारी सरकार के समय में हुआ। उन्होंने कांग्रेस से सवाल पूछा कि आपके समय में एसआईआर हुआ तो ठीक, हमने अगर शुद्धीकरण की प्रक्रिया को चालू रखा तो गलत है? भाजपा सांसद ने आगे कहा कि विपक्ष का आरोप है कि 13 करोड़ वोट चोरी कर लिए गए है। मैं पूछता हूं कि 13 करोड़ वोट चोरी हुए होता तो आज देश की रूपरेखा कैसी होती? देश की सड़कों पर लोग भरे होते और आंदोलन हो रहे होते।

इसके बाद संबित पात्रा ने वोटर लिस्ट शुद्धिकरण की प्रक्रिया का फॉर्मूला बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में नाम जोड़ना या हटाना शामिल है। यह सब 'एएसडीडी' फॉर्मूला के अनुसार होता है। भाजपा सांसद ने बताया कि इस फॉर्मूले में उन चार तरह के लोगों को शामिल किया गया है, जिनके नाम हटाए जाते हैं। 'ए' का मतलब 'अनुपस्थित' है। यानी जो लोग अपने पंजीकृत पते पर मौजूद नहीं हैं, उनके नाम हटाए जाते हैं। 'एस' का मतलब 'स्थानांतरित' है यानी जो लोग स्थायी रूप से किसी और जगह चले गए हैं, उनके नाम हटाए जाते हैं। 'डी' का मतलब 'स्वर्गीय' है-जो लोग अब जीवित नहीं हैं, उनके नाम हटाए जाते हैं। दूसरे 'डी' का मतलब 'नकली' यानी डुप्लीकेट है- यानी अगर किसी व्यक्ति के कई (नकली) एंट्रीज हैं, तो उनमें से एक हटाया जाता है। संबित पात्रा ने कहा कि किसी भी कीमत पर हम घुसपैठियों को भारत में वोट देने का अधिकार नहीं लेने देंगे। भले ही कांग्रेस एवं उनके सहयोगी दल कितनी भी एड़ी चोटी का जोर लगा लें। पात्रा ने वोट चोरी के आरोप पर कहा कि कांग्रेस एवं राहुल गांधी प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं। उनके द्वारा 13 करोड़ वोट चोरी का आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि यदि वोट चोरी हुई है तो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने उन 20 विधानसभा पर जीत हासिल की है जहां पर सबसे ज्यादा वोट कटे हैं। जबकि केवल पांच पर बीजेपी की जीत हुई है।

ममता-अखिलेश पर भी भड़के

कांग्रेस वर्तमान सीईसी ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगा रही है, लेकिन मेरा उनसे यह सवाल है कि 2014 से 2025 के बीच कांग्रेस अब तक 56 चुनाव हार चुकी है, तब ज्ञानेश कुमार तो नहीं थे। उन्होंने कहा कि यही 56 टिकुली लगाकर राहुल गांधी घूम रहे हैं। संबित पात्रा ने रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के आंदोलन पर तंज कसा कि 10 लाख लोगों के आने का दावा किया गया है जबकि संख्या 25000 भी नहीं रही होगी। पात्रा ने ममता और अखिलेश को लेकर कहा कि एसआईआर से सबसे ज्यादा पीड़ा इन्हीं लोगों को हो रही है क्योंकि अब तक इन्हीं के भरोसे यह सत्ता में रहे हैं।

युवाओं के वोट काटने के आरोप को बताया गलत

भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी का यह कहना कि भाजपा ने 2024 का लोकसभा चुनाव गलत तरीके से जीता है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने 124 पेज के आदेश में कहा है कि चुनावी प्रक्रिया ठीक है और आयोग ने विधि व्यवस्था के तहत सभी कार्य संपन्न किए हैं। ऐसे में राहुल गांधी का बयान देना गलत है। उन्होंने कहा कि राहुल का यह भी आरोप कि यंग वोटर्स के नाम काटे जा रहे हैं, जबकि 18 से 28 वर्ष आयु के बीच एसआईआर में 2 करोड़ 37 लाख नए वोटर बने हैं। हर दिन 50 हजार युवाओं को जोड़ा जा रहा है।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान से भड़के अखिलेश, बोले- सनातन समाज के खिलाफ साजिश चल रही है

लखनऊ (एजेंसी)।



बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के एक कथित बयान को लेकर विवाद तेज है। इस बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कथावाचक के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई है। भड़के अखिलेश यादव ने कहा कि सनातन समाज के विरुद्ध साजिश चल रही है। दरअसल, श्रीकृष्णा को लेकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की एक टिप्पणी पर विवाद बढ़ा है।

अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आपत्तिजनक समाचार है कि कोई राजनीतिक प्रश्रय प्राप्त 'लघु-बंधु' बनकर घूम रहा व्यक्ति सनातन समाज की एकता को तोड़ने का अति निंदनीय कार्य कर रहा है। यह गहरी जांच का विषय है कि सनातनियों के बीच सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि एक अवतार के मुकाबले दूसरे अवतार को बेहतर बताने की साजिश सनातन समाज के विरुद्ध चली जा रही बहुत गहरी चाल है।

बाबरी मस्जिद बनकर रहेगी, ताकत है तो...

हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को एनएच-34 जाम करने की दी धमकी

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा इलाके में बाबरी मस्जिद बनाने लेकर प्रदेश की सियासत में तनाव का माहौल बना हुआ है। 6 दिसंबर को मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। इसी दिन आम जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष और नौदा के विधायक हुमायूं कबीर ने नेशनल हाईवे 34 को पूरी तरह जाम करने की धमकी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि अगर प्रशासन में हिम्मत है तो इस नाकाबंदी को रोककर दिखाए।

दरअसल, बेलडांगा में प्रस्तावित मस्जिद परिसर से जुड़े राजस्व और खर्च के मामलों पर हुई एक बैठक में हुमायूं कबीर ने जिला प्रशासन और पुलिस को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन के पास ताकत है तो इस नाकाबंदी को खत्म कर दिखाए। हम अपना काम करेंगे और कोई हमें रोक नहीं सकता। हुमायूं कबीर ने दावा किया कि 6 दिसंबर को रेजिनगर से बहरामपुर तक करीब 30 किलोमीटर लंबा नेशनल हाईवे- 34 पूरी तरह उनके समर्थकों के नियंत्रण में रहेगा। उनका कहना है कि इस दिन सड़क पर उनके हजारों कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहेंगे।

सर सैयद और मौलाना आज़ाद की संयुक्त जयंती पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं व्याख्यान का आयोजन

हैदराबाद।



शिक्षा, सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण में दोनों महान विभूतियों के योगदान पर देश-विदेश के विद्वानों ने रखे विचार, डॉ. मोहम्मद यूसुफ आज़म को 'मशाल-ए-सर सैयद अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

सदा-ए-अदब के तत्वावधान में दबीर मैगज़ीन और दक्कन लिटरेरी सोसाइटी के सहयोग से आज़ान इंटरनेशनल स्कूल में सर सैयद अहमद खान और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की संयुक्त जयंती के अवसर पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय ''सर सैयद और मौलाना आज़ाद: सुधार एवं राष्ट्र निर्माण'' था।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इक़रा मिशन हाई स्कूल, हैदराबाद के चेयरमैन डॉ. साजिद साहब उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर रफीउल्लाह आज़मी ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. शाइमा, श्री एजाज़ अहमद, डॉ. रफीक, डॉ. शैफुद्दीन एजाज़ तथा दक्कन लिटरेरी सोसाइटी के डॉ. आदिल ने भी शिरकत की। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से लगभग 30 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में लंदन से डॉ. दानिश खान, ताशकंद से डॉ. मुबश्शिर जमाल और अलीगढ़ से डॉ. नावेद यासिर ने ऑनलाइन भागीदारी की। शोधकर्ताओं ने सर सैयद और मौलाना आज़ाद के शैक्षिक, सामाजिक एवं सुधारवादी विचारों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के विभिन्न पहलुओं पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसी दिन शाम को सर सैयद अहमद खान और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जीवन यात्रा एवं शैक्षिक सेवाओं पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जनाब तारिक अंसारी साहब शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईआरएस अधिकारी एवं इनकम टैक्स कमिश्नर जनाब वसीमुर रहमान, आज़ान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. मोहम्मद यूसुफ आज़म, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता जनाब इरशाद अहमद (दिल्ली), कांग्रेस नेता एडवोकेट सबीह महमूद (दिल्ली), डॉ. आसिफ सईद, डायरेक्टर नियाज़ हॉस्पिटल, बिहार तथा सिप्ला टेक कंपनी, हैदराबाद के सीईओ श्री फिरोज खान ने शिरकत की।

सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में सर सैयद अहमद खान और मौलाना आज़ाद की शिक्षा के क्षेत्र में दी गई सेवाओं, समाज सुधार के प्रयासों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि इन महान शिक्षाविदों के विचार और आदर्श आज भी समाज और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान सदा-ए-अदब की ओर से आज़ान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. मोहम्मद यूसुफ आज़म को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'मशाल-ए-सर सैयद अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और व्याख्यान कार्यक्रम सर सैयद एवं मौलाना आज़ाद के शैक्षिक विचारों, सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

खास-खबर



विशाखापत्तनम की तेल रिफाइनरी में विस्फोट, लगी आग; हताहत की खबर नहीं

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि HPCL रिफाइनरी में अचानक आग लग गई। आग की लपटें आसमान की तरफ उठने लगीं और रिफाइनरी के आसपास के इलाकों में गाढ़ा धुआं फैल गया। धुएं के कारण आसपास के लोगों में घबराहट बढ़ गई। जानकारी के मुताबिक, आग लगते ही तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कई फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और फायरफाइटिंग टीमें आग पर काबू पाने में जुट गईं। टीमों ने आग को फैलने से रोकने के लिए तुरंत काम शुरू कर दिया। HPCL के एक अधिकारी के अनुसार, आग रिफाइनरी की रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी (ऋ्स्र) के एक पिच टैंक में लगी थी। अधिकारी के अनुसार, टैंक में रखा गया प्रोडक्ट काफी गाढ़ा (हाई विस्कोसिटी) था, जिसकी वजह से आग लगने पर धुआं बहुत ज्यादा गाढ़ा और काला निकल रहा था। अधिकारी ने साफ कहा कि अब तक किसी के घायल होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। प्रॉपर्टी को कितना नुकसान हुआ, इसका सही अंदाजा बाद में लगाया जाएगा।

सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट पर अटैक, हूतियों का दावा- दो ड्रोन से किया हमला

रियाद (एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों ने बड़ा दावा किया है। हूतियों का कहना है कि उन्होंने सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में स्थित दम्माम एयरपोर्ट पर दो ड्रोन से हमला किया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी के बयान के मुताबिक, यह हमला दो चरणों में किया गया और इसका मकसद एयरपोर्ट के हवाई यातायात को प्रभावित करना था।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान समर्थीत इस समूह ने कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के दक्षिणी शहर जीजान में एक चेतावनी देने वाले रडार को ड्रोन से निशाना बनाया। साथ ही, जीजान एयरपोर्ट पर खड़े एक सैन्य माल ढोने वाले विमान पर भी ड्रोन दागा गया। हूतियों का कहना है कि ये हमले सफल रहे। हालांकि सऊदी अरब की तरफ से इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सऊदी अधिकारियों ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

'कोर्ट को हल्के में मत लीजिए'

200 करोड़ की रंगदारी मामले में एक्ट्रेस नोरा फतेही को कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 200 करोड़ रुपये की रंगदारी के मामले में एक्ट्रेस नोरा फतेही को फिर से समन जारी किया है। अदालत ने सुनवाई के दौरान उनके वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि नोरा का बर्ताव ठीक नहीं है और कोर्ट को हल्के में मत लीजिए। कोर्ट ने कहा कि नोरा इस मामले में अभियोजन पक्ष की गवाह हैं और उन्हें सबूत दर्ज कराने के लिए अदालत में मौजूद रहना चाहिए था। विशेष न्यायाधीश गगनदीप सिंह ने उन्हें 6 नवंबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। इससे पहले नोरा की ओर से पेश वकील ने अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट देने की अर्जी लगाई थी। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई और कहा कि गवाह होने के नाते उन्हें अदालत में आना चाहिए था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि नोरा फतेही को समन भेजा गया था, लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि वह पेश होंगी या नहीं। इसके बाद नोरा के वकील ने उनकी ओर से छूट की मांग की।

'क्या यही दिन मिला था?

महारैली पर सिख संगठन बोले कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित महारैली को लेकर बीजेपी ने सवाल उठाए हैं। बीजेपी का कहना है कि सिख विरोधी दंगों की बरसी पर ही कांग्रेस ने यह रैली क्यों बुलाई थी। इसके लिए कोई और दिन बी रखा जा सकता था। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की अगुआई में हरिनगर से तिलक नगर तक एक मार्च किया गया। इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा और वरिष्ठ वकील एचएस फूलका भी शामिल थे।

फूलका ने कहा, 1 नवंबर का दिन सिखों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए कालादिवस है। कांग्रेस को भी इस दिन अपने सिर शर्म से झुका लेने चाहिए। क्या उसे महारैली करने के लिए यही दिन मिला था? 1984 दंगा पीड़ित वेलफेयर सोसाइटी ने भी इस रैली के समय पर सवाल खड़े किए। इस संगठन के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से भी मुलाकात की थी और कहा था कि इस दिन को शोक दिवस के रूप में मनाना चाहिए ना कि राजनीतिक हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने घर, रोजगार और पुनर्वास की मांग भी दोहराई थी।

सोसाइटी के अध्यक्ष सुरजीत सिंह के साथ सोसाइटी की महिला विंग की अध्यक्ष बीबी गुरदीप कौर भी राज्यपाल से मिलने गई थीं। उन्होंने बताया कि किस तरह उनके परिवार के 8 लोग इन दंगों में मारे गए थे।

पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: जाति प्रमाण पत्र में पति का नाम होने पर भी महिलाओं को मिलेगा आरक्षण, बीपीएससी को नियुक्ति का निर्देश

विवाहित महिलाओं के आरक्षण अधिकार पर हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी, पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने के आधार पर जाति प्रमाणपत्र खारिज करना गलत

पटना (संवाददाता)।

विवाहित महिलाओं के आरक्षण अधिकार को लेकर पटना हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी महिला के जाति प्रमाणपत्र में पिता के नाम की जगह पति का नाम दर्ज होने मात्र से उसे आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। जाति व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होती है और जाति प्रमाणपत्र केवल उसकी पुष्टि करने वाला दस्तावेज है। इसलिए प्रमाणपत्र में पिता के बजाय पति का नाम अंकित होने जैसे तकनीकी आधार पर किसी महिला की आरक्षित श्रेणी की पात्रता समाप्त नहीं की जा सकती। इस फैसले को विवाहित महिलाओं के अधिकारों और आरक्षण व्यवस्था के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पटना हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मोहित कुमार शाह और न्यायमूर्ति सौरेंद्र पांडेय की खंडपीठ ने बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि यदि कोई महिला संबंधित आरक्षित जाति से आती है और उसके पास सक्षम प्राधिकारी की ओर से जारी जाति प्रमाणपत्र उपलब्ध है, तो केवल उसमें पिता के स्थान पर पति का नाम लिखे होने के कारण उसे आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने तकनीकी औपचारिकताओं के बजाय वास्तविक पात्रता और अधिकारों को महत्व दिया।

यह मामला डॉ. सुषमा शरण से जुड़ा है, जिन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से जारी विज्ञापन संख्या 20/2017 के तहत स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद के लिए आवेदन किया था। उन्होंने अनुसूचित जाति महिला कोटे के अंतर्गत अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की थी। आवेदन के साथ उन्होंने अपना जाति प्रमाणपत्र भी जमा किया था, लेकिन प्रमाणपत्र में पिता के नाम के स्थान पर पति का नाम दर्ज था। इसी आधार पर आयोग ने उनकी आरक्षित श्रेणी की पात्रता स्वीकार नहीं की और उन्हें अनारक्षित श्रेणी में शामिल कर दिया।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, डॉ. सुषमा शरण ने बीपीएससी के विज्ञापन संख्या 20/2017 के तहत सहायक प्राध्यापक पद के लिए आवेदन किया था। यह पद स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग से संबंधित था। उन्होंने अनुसूचित जाति महिला अभ्यर्थी के रूप में आवेदन किया और निर्धारित प्रक्रिया के तहत साक्षात्कार में भी शामिल हुईं। उनका साक्षात्कार 28 फरवरी 2018 को आयोजित किया गया था। इसके बाद आयोग ने 8 अगस्त 2019 को परीक्षा और चयन प्रक्रिया का परिणाम जारी किया। हालांकि, परिणाम में डॉ. सुषमा शरण का नाम शामिल नहीं था। इसके बाद उनके आरक्षण के दावे को लेकर विवाद सामने आया। बिहार लोक सेवा आयोग का तर्क था कि अभ्यर्थी की ओर से प्रस्तुत जाति प्रमाणपत्र में पिता का नाम दर्ज नहीं था, बल्कि उसमें पति का नाम लिखा हुआ था। आयोग के अनुसार, पिता के नाम से जारी जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण उनकी उम्मीदवारी को अनुसूचित जाति महिला कोटे के तहत स्वीकार नहीं किया जा सकता था। इसी वजह से उन्हें आरक्षित श्रेणी के बजाय अनारक्षित श्रेणी में रखा गया।

आयोग के इस निर्णय से डॉ. सुषमा शरण की आरक्षित श्रेणी के तहत उम्मीदवारी प्रभावित हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की। उनका कहना था कि भर्ती विज्ञापन में ऐसी कोई शर्त निर्धारित नहीं की गई थी, जिसके अनुसार जाति प्रमाणपत्र में पिता का नाम होना अनिवार्य हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पिता और पति दोनों ही अनुसूचित जाति से संबंधित हैं। ऐसे में केवल प्रमाणपत्र में पति का नाम दर्ज होने के आधार पर उनके जाति प्रमाणपत्र को अमान्य मानना उचित नहीं है।

डॉ. सुषमा शरण की ओर से अदालत में यह पक्ष रखा गया कि बिहार लोक सेवा आयोग के विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होने की कोई अनिवार्य शर्त नहीं थी। जब भर्ती विज्ञापन में ऐसी शर्त का उल्लेख ही नहीं किया गया था, तब आयोग अपनी ओर से ऐसी तकनीकी बाध्यता लागू करके किसी अभ्यर्थी को आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं कर सकता।

महिला अभ्यर्थी की ओर से यह भी बताया गया कि उनके पिता और पति दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इसलिए उनके जातिगत अधिकार और सामाजिक पहचान पर किसी तरह का संदेह करने का आधार नहीं बनता। उनका तर्क था कि जाति जन्म से निर्धारित होती है और विवाह के बाद केवल वैवाहिक संबंध बदलने से जन्म के आधार पर प्राप्त जाति समाप्त नहीं हो जाती। इस स्थिति में जाति प्रमाणपत्र पर पति का नाम दर्ज होना आरक्षण की पात्रता खत्म करने का वैध आधार नहीं हो सकता।



महिला की इन दलीलों पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने भर्ती विज्ञापन की शर्तों और संबंधित तथ्यों का परीक्षण किया। अदालत ने पाया कि विज्ञापन में यह स्पष्ट प्रावधान नहीं था कि जाति प्रमाणपत्र में केवल पिता का नाम ही दर्ज होना चाहिए। जब आयोग ने ऐसी कोई शर्त निर्धारित नहीं की थी, तब प्रमाणपत्र में पति का नाम होने के आधार पर अभ्यर्थी को आरक्षण से वंचित करना उचित नहीं था।

मामले की सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि जाति जन्म से प्राप्त होती है और प्रमाणपत्र उस जाति की पुष्टि करने का माध्यम है। किसी महिला के विवाह के बाद उसके प्रमाणपत्र में पति का नाम दर्ज हो जाने से उसकी जन्मजात जाति में बदलाव नहीं हो जाता। इसलिए प्रमाणपत्र में पिता के बजाय पति का नाम होने को आरक्षण के अधिकार से इनकार करने का आधार नहीं बनाया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित शर्तों का पालन किया जाना चाहिए। यदि विज्ञापन में किसी विशेष प्रारूप या नाम संबंधी अनिवार्यता का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, तो बाद में ऐसी शर्त को आधार बनाकर अभ्यर्थी की पात्रता पर सवाल खड़ा करना उचित नहीं है।

आयोग को विज्ञापन में दी गई शर्तों के अनुसार ही अभ्यर्थियों की पात्रता का मूल्यांकन करना चाहिए। खंडपीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि केवल तकनीकी कारणों से किसी पात्र व्यक्ति को आरक्षण के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी और अंचल अधिकारी जैसे सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से जारी प्रमाणपत्र को केवल नाम दर्ज होने के तरीके के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम होना अपने आप में ऐसा आधार नहीं है, जिसके कारण किसी महिला की आरक्षित श्रेणी की पात्रता समाप्त कर दी जाए। इस मामले में हाईकोर्ट की एकलपीठ पहले ही डॉ. सुषमा शरण के पक्ष में आदेश जारी कर चुकी थी। एकलपीठ ने भर्ती विज्ञापन और मामले से जुड़े तथ्यों के आधार पर महिला अभ्यर्थी को राहत दी थी। इसके बाद बिहार लोक सेवा आयोग ने एकलपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए खंडपीठ में अपील दायर की थी। खंडपीठ ने आयोग की अपील पर सुनवाई करने के बाद एकलपीठ के फैसले को सही ठहराया। अदालत ने माना कि जब विज्ञापन में पिता के नाम से जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की अनिवार्यता नहीं थी, तब आयोग का निर्णय उचित नहीं था। खंडपीठ ने बीपीएससी की अपील खारिज कर दी और महिला अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ देने का रास्ता साफ कर दिया।

पटना हाईकोर्ट ने अपने फैसले में बिहार लोक सेवा आयोग को डॉ. सुषमा शरण की नियुक्ति आरक्षण के आधार पर करने का निर्देश दिया है। अदालत के इस आदेश से उनकी अनुसूचित जाति महिला कोटे के तहत उम्मीदवारी को राहत मिली है। आयोग ने जिस तकनीकी आधार पर उन्हें अनारक्षित श्रेणी में रखा था, हाईकोर्ट ने उसे स्वीकार नहीं किया। इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि किसी महिला के जाति प्रमाणपत्र में पति का नाम दर्ज होने से उसका जन्म से प्राप्त जातिगत अधिकार समाप्त नहीं होता। यदि भर्ती विज्ञापन में पिता का नाम अनिवार्य करने वाली कोई शर्त नहीं है, तो आयोग केवल इस आधार पर महिला को आरक्षण से वंचित नहीं कर सकता।

पटना हाईकोर्ट का यह निर्णय विवाहित महिला अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। भर्ती प्रक्रियाओं में जाति प्रमाणपत्र सहित विभिन्न दस्तावेजों की जांच के दौरान कई बार तकनीकी कमियों या प्रारूप संबंधी सवालों को लेकर विवाद सामने आते हैं। इस मामले में अदालत ने स्पष्ट किया कि दस्तावेज में नाम दर्ज होने के तरीके और वास्तविक जातिगत पात्रता के बीच अंतर को समझना जरूरी है।

अदालत के फैसले से यह संदेश भी सामने आया है कि किसी अभ्यर्थी के अधिकारों का निर्धारण केवल दस्तावेज में दर्ज नाम के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि संबंधित भर्ती विज्ञापन की शर्तों और वास्तविक पात्रता को ध्यान में रखना चाहिए। खासकर तब, जब विज्ञापन में किसी विशेष नाम या प्रारूप को अनिवार्य नहीं किया गया हो।

इस मामले में डॉ. सुषमा शरण के पिता और पति दोनों के अनुसूचित जाति से संबंधित होने की दलील भी महत्वपूर्ण रही। महिला की ओर से अदालत में यह स्पष्ट किया गया कि उनके जाति प्रमाणपत्र में पति का नाम दर्ज था, लेकिन इससे उनकी जातिगत पहचान में कोई बदलाव नहीं हुआ था। हाईकोर्ट ने मामले के तथ्यों और विज्ञापन की शर्तों को देखते हुए उनकी दलील को स्वीकार किया।

कुल मिलाकर, पटना हाईकोर्ट ने बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज कर एक महत्वपूर्ण कानूनी सिद्धांत को स्पष्ट किया है। अदालत ने कहा कि जाति जन्म से प्राप्त होती है और प्रमाणपत्र उसकी पुष्टि करता है। इसलिए केवल इस वजह से कि किसी विवाहित महिला के जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज है, उसे आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। साथ ही, बीपीएससी को डॉ. सुषमा शरण की नियुक्ति आरक्षण के आधार पर करने का निर्देश देकर अदालत ने तकनीकी औपचारिकताओं के मुकाबले पात्रता और अधिकारों को प्राथमिकता दी है।

घूसखोर जमादार 29 हजार लेते गिरफ्तार

शराबबंदी कानून की आड़ में 50 हजार मांग रहा था

साहेबपुरकमाल (संवाददाता)।

बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून की आड़ में निगरानी विभाग की टीम ने बेगूसराय में एक घुसखोर पुलिस अफसर को दबोच लिया। पटना से आयी टीम ने साहेबपुरकमाल थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक (जमादार) चंदन झा को 29 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी विभाग की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। निगरानी टीम आरोप जमादार को अपने साथ पटना ले गयी है। वह घूस लेने के लिए पहले से चर्चित है।

निगरानी विभाग के डीएसपी मोहन कुमार ने बताया कि साहेबपुरकमाल गांव निवासी अमित कुमार की लिखित शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गयी। शिकायतकर्ता ने निगरानी विभाग को बताया था कि गत 15 अक्टूबर को पुलिस ने साहेबपुरकमाल गांव के गैस एजेंसी रोड से एक कार में लदी करीब 77 लीटर विदेशी शराब बरामद की थी।

इस मामले में प्राथमिकी भी दर्ज की गयी। शिकायतकर्ता ने निगरानी विभाग को बताया कि उसने अपनी हुंडई कार 13 अगस्त को ही बेच दी थी जिसका शपथ पत्र भी दर्ज मुकदमे के अनुसंधानकर्ता को प्रस्तुत किया गया। लेकिन, अनुसंधानकर्ता ने केस से नाम हटाने के बदले 50 हजार रुपये की मांग की। रुपये नहीं देने पर केस में नाम डाल देने की बात कही। वह डरा धमकाकर अमित कुमार से अवैध उगाही करना चाहता था।

इसी बात पर शिकायतकर्ता ने 26 अक्टूबर को निगरानी विभाग में लिखित शिकायत दर्ज करायी। इसके बाद निगरानी विभाग ने 29 अक्टूबर को शिकायत का सत्यापन किया। शिकायत सत्य पाये जाने पर निगरानी विभाग ने अपनी रणनीति बनायी और तब उक्त पुलिसकर्मी रंगेहाथ दबोचा गया।

निगरानी विभाग के डीएसपी ने बताया कि शिकायतकर्ता सोमवार को 29 हजार रुपये लेकर साहेबपुरकमाल प्रखंड मुख्यालय द्वार पर पहुंचा। केमिकल युक्त रुपये एएसआई चंदन झा को दिया।



पैसा थामते ही निगरानी टीम ने दबोचा

ज्यों ही एएसआई ने रुपये लिया त्यों ही निगरानी टीम ने उसे रंगे हाथ धर दबोचा। थाना के पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी से आसपास मौजूद लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। धीरे-धीरे सब स्पष्ट हो गया कि एएसआई चंदन झा को निगरानी विभाग ने घूस लेते रंगेहाथ पकड़ लिया है। निगरानी के हत्थे चढ़ा चंदन झा पहले भी अपने काले कारनामों की वजह से चर्चा में रहा है और उसका डिमोशन हो चुका है। वह पुलिस जिला नवगछिया के नवगछिया थाना क्षेत्र के सिमरहा गांव का निवासी बताया जा रहा है। निगरानी टीम आरोपी जमादार से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

बेचैनी और घबराहट क्यों है? दिल्ली रैली को फ्लॉप बताने पर तेजस्वी यादव बीजेपी पर भड़के

पटना (संवाददाता)।

दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को इंडिया गठबंधन ने वोट बचाओ देश बचाव रैली का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी ने रैली को फ्लॉप बताया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने ट्रिक फोटोग्राफी से रैली में भीड़ दिखाने का आरोप विपक्षी दलों पर लगाया। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इसे लेकर बीजेपी पर भड़क गए हैं। पूछा है कि रैली फ्लॉप थी तो इतनी बेचैनी और घबराहट में क्यों हैं? उन्होंने लालू प्रसाद यादव से कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की मुलाकात पर भी जानकारी दी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन की रैली से बीजेपी और उसके सहयोगी दलों में काफी घबराहट और बेचैनी है। पूछा कि ये लोग रैली को फ्लॉप बताने की जरूरत क्या है?



उन्होंने कहा कि ये लोग सत्ता में बैठकर मलाई खा रहे हैं। इनकी चोरी पकड़ी गई है तो निराशा और हताशा में आ गए हैं। रैली के बाद इनकी बेचैनी और भी बढ़ गई है। यह सरकार दो नंबरी है। ज्ञानेश कुमार की मदद से लोकतंत्र को कुचलकर सत्ता में बैठे हैं। इन लोगों से ऐसे ही बयान की उम्मीद की जाती है।

तेजस्वी यादव ने कहा सोनिया गांधी और लालू प्रसाद यादव के बीच दिल्ली में हुई मुलाकात के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि लालू जी स्वास्थ्य जांच के लिए दिल्ली आए थे तो उनसे मिलने और हाल चाल जानने आई थीं। दोनों के बीच काफी लंबे समय से मुलाकात नहीं हो पाई थी। सोनिया जी से लालू जी के बहुत पहले से अच्छे संबंध हैं। बुरी परिस्थियों में दोनों नेताओं ने एक दूसरे का सहयोग किया। लालू जी कांग्रेस की सरकार में केंद्र में मंत्री भी थे। पुराने रिश्ते को निभाते हुए तबीयत की जानकारी लेने सोनिया जी आई थीं। दोनों साथ बैठे तो पुरानी बातों को लेकर वैचारिक आदान प्रदान भी हुआ।

रविवार की विपक्ष की रैली को बीजेपी नेताओं ने फ्लॉप बताया। संबित पात्रा ने कहा कि दस लाख की भीड़ जुटाने का दावा किया गया था लेकिन, पांच से सात हजार लोग पहुंच पाए। 10-12 एकड़ में फैले रामलीला मैदान का 55 प्रतिशत भाग खाली था। उसमें भी काफी जगह मंच, डी एरिया और पंडाल से इंगेज कर दिया गया था।

अपनी लोकप्रियता से डर रहे तेज प्रताप यादव?

लालू के लाल ने सरकार से की सुरक्षा बढ़ाने की मांग



पटना (संवाददाता)।

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बड़े लाल और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने केंद्र और राज्य सरकार से सुरक्षा बढ़ाने की मांग फिर से की है। इस बार तेज प्रताप को उनकी लोकप्रियता की वजह से डर लग रहा है। नीतीश कुमार के साथ दो बार बिहार सरकार में मंत्री रहे तेज प्रताप का तर्क है कि कहीं जाने पर लोग उन्हें घेर लेते हैं। इससे कोई अप्रिय घटना घट सकती है।

सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से तेज प्रताप यादव ने कहा है कि रियलिटी शो राइज एंड फॉल 2 में काम करके लौटने के बाद से उनकी लोकप्रियता में काफी वृद्धि हुई है। वह जहाँ भी जाते हैं, वहाँ बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने और मेरे साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए एकत्रित हो जाते हैं। कई बार भारी भीड़ चारों तरफ से घेर लेती है, जिससे उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ-साथ किसी अप्रिय घटना की आशंका भी बनी रहती है। उन्होंने कहा है कि अत्यंत चिंताजनक विषय है कि वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा उन्हें केवल एक सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराया गया है। जिस तरह से सार्वजनिक स्थानों पर भारी भीड़ चारों तरफ से घेर लेती है, उससे न केवल सुरक्षा को खतरा है, बल्कि उनके साथ तैनात एकमात्र सुरक्षाकर्मी की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। ऐसी परिस्थितियों में आशंका है कि भीड़ सुरक्षाकर्मी को भी घेर सकती है, उसके साथ कोई अप्रिय घटना घट सकती है अथवा उसका सरकारी हथियार छीनने जैसी गंभीर घटना भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में उनकी और सुरक्षाकर्मी दोनों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। लालू के लाल ने कहा है कि मैं केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार से पुनः आग्रह करता हूँ कि मेरी वर्तमान लोकप्रियता, सार्वजनिक कार्यक्रमों में उमड़ने वाली भारी भीड़ और सुरक्षा संबंधी गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए इस मामले को तत्काल संज्ञान में लिया जाए तथा मुझे पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

पहले भी लिखा था पत्र

तेज प्रताप ने कहा है कि वे केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार को कई बार मौखिक रूप से अवगत करा चुके हैं। पत्र के माध्यम से भी अपनी सुरक्षा को लेकर अनुरोध किया लेकिन, अभी तक उनकी सुरक्षा व्यवस्था में कोई आवश्यक वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने सरकार से पूछा है कि यदि भविष्य में उनके साथ अथवा सुरक्षाकर्मी के साथ कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

बिहार के मुजफ्फरपुर में भीषण हादसा

गैस पाइपलाइन में धमाके से जेसीबी के परखच्चे उड़े, 1 की मौत, 7 नाजुक

मुजफ्फरपुर(संवाददाता)।

बिहार के मुजफ्फरपुर में गैस पाइपलाइन में धमाके से सदर थाना क्षेत्र के गोबरसही इलाका दहल गया। सोमवार को नाला निर्माणके दौरान रसोई गैस पाइपलाइन टूटने के बाद भयानक विस्फोट हुआ जिसमें एक व्यक्ति की मौत मौके पर हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। विस्फोट से नाला खोद रहे जेसीबी के परखच्चे उड़ गए और कई अन्य वाहन क्षतिग्रस्त होकर गए। घटना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड और सदर थाने की पुलिस पहुंची और बचाव-राहत कार्य शुरू किया। घायलों को सदर अस्पताल और एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज किया जा रहा है। जिला प्रशासन के पदाधिकारी घटना की छानबीन कर रहे हैं।

बताया गया है कि गोबरसही से डुमरी की ओर जाने वाले रास्ते में नाला निर्माण के लिए जेसीबी से खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान जेसीबी से आईओसीएल की गैस पाइपलाइन टूट गई और गैस का रिसाव होने लगा। स्थानीय लोगों के अनुसार रिसाव की सूचना के बाद पाइपलाइन बंद करने के लिए आईओसीएल की टीम करीब आधे घंटे तक मौके पर नहीं पहुंची। इसी बीच अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके से आस पास मकान हिल गए और खिड़कियों के शीशे टूट गए। कुछ मकानों में दरार पड़ने की भी खबर है। विस्फोट के बाद आसपास के लोग काफी दहशत में आ गए और घबराकर भागने लगे। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।



विस्फोट इतना भीषण था कि खुदाई कर रही जेसीबी के परखच्चे उड़ गए। बगल में खड़ी थार गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर जल गई। आसपास मौजूद कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को आनन-फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां एक की मौत की पुष्टि हुई है।

बिहार में शिक्षकों के लिए 4 नवंबर को बड़ा फैसला!

जिला शिक्षा अधिकारियों को मानने होंगे विभागीय आदेश

पटना (संवाददाता)। बिहार के सरकारी शिक्षकों के लिए 4 नवंबर का दिन बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है। राज्य के शिक्षा विभाग की ओर से इस दिन एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में शिक्षकों से जुड़े कुल 29 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इनमें शिक्षकों के स्थानांतरण और पदस्थापन, वेतन विसंगति तथा विभागीय आदेशों को जिला स्तर पर लागू कराने जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल हैं। बैठक को लेकर राज्य के हजारों शिक्षक उम्मीद लगाए बैठे हैं, क्योंकि इसमें उनके सेवा संबंधी कई महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लिए जाने की संभावना है।

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सरकारी शिक्षकों के स्थानांतरण और नई जगह पर पदस्थापन की प्रक्रिया होगी। लंबे समय से शिक्षक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि शिक्षा विभाग कब स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करेगा और इसके लिए आवेदन करने की तिथि क्या निर्धारित की जाएगी। अब 4 नवंबर को होने वाली बैठक से इस संबंध में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षा विभाग की बैठक में शिक्षकों के स्थानांतरण और पदस्थापन का कार्यक्रम जारी किया जा सकता है। कार्यक्रम घोषित होने के बाद शिक्षकों को यह जानकारी मिल सकेगी कि स्थानांतरण के लिए आवेदन कब से शुरू होंगे और पूरी प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ेगी। स्थानांतरण कार्यक्रम जारी होने से उन शिक्षकों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से अपने वर्तमान पदस्थापन स्थल में बदलाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, स्थानांतरण से संबंधित नियमों, शर्तों और समय-सीमा को लेकर विभाग की ओर से लिए जाने वाले अंतिम निर्णय का इंतजार रहेगा।

बिहार में हथियार तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश, 19 हजार कारतूस के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार



- सीतामढ़ी में सात अक्टूबर को मिले 777 कारतूस से जुड़ रहे तार
- रीगा थाना में दर्ज है कांड संख्या 384/26
- तस्करी नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने में जुटी एसटीएफ

पटना (संवाददाता)। बिहार में अवैध हथियारों और कारतूसों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ की विशेष टीम ने भोजपुर जिले में कार्रवाई करते हुए करीब 19 हजार कारतूस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सोमवार को कोईलवर चेक पोस्ट के समीप की गई। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच सक्रिय हथियार एवं कारतूस तस्करी के एक बड़े नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि भारी मात्रा में कारतूस उत्तर प्रदेश के बदायूं से बिहार लाए जा रहे थे। इसके बाद इनकी आपूर्ति बिहार के अलग-अलग जिलों में सक्रिय तस्करों तक की जानी थी।

इस कार्रवाई के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच संचालित अवैध हथियार एवं कारतूसों की आपूर्ति व्यवस्था को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में कारतूस किसके माध्यम से खरीदे गए थे, इन्हें बिहार में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था और इस पूरे नेटवर्क में कितने अन्य लोग शामिल हैं। एसटीएफ को उम्मीद है कि गिरफ्तार तस्करों के मोबाइल फोन और उनसे मिली जानकारियों के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। बिहार एसटीएफ के मुताबिक, उत्तर प्रदेश से कुछ हथियार तस्करों द्वारा भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बिहार लाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसटीएफ ने विशेष टीम गठित कर तस्करों की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। इसी क्रम में भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र में निगरानी और कार्रवाई की योजना बनाई गई। एसटीएफ के डीएसपी शेख साबिर और डीएसपी प्रीतम कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने भोजपुर जिला पुलिस के सहयोग से कोईलवर चेक पोस्ट के समीप कार्रवाई की। इस दौरान संदिग्ध टाटा सफारी कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान वाहन से भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए। इसके बाद कार में सवार तीनों लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तलाशी और जांच में करीब 19 हजार कारतूस मिलने के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर निवासी सारस कुमार और लल्टू कुमार तथा सीवान जिले के तरवारा निवासी चंदन तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये तीनों कथित तौर पर अंतरराज्यीय हथियार और कारतूस तस्करी नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। इनके पास से बरामद कारतूसों की संख्या इतनी अधिक है कि जांच एजेंसियां अब इस पूरे मामले को बड़े तस्करी नेटवर्क के रूप में देख रही हैं। इस पूरे मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू सीतामढ़ी जिले में पिछले महीने हुई बड़ी बरामदगी से जुड़ा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सात अक्टूबर 2026 को सीतामढ़ी के रीगा थाना क्षेत्र में बरामद किए गए 777 कारतूस का इस तस्करी नेटवर्क से कनेक्शन सामने आया है। उस समय एसटीएफ और सीतामढ़ी जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान मुठभेड़ हुई थी। इस कार्रवाई में तीन कुख्यात अपराधी जख्मी होने के बाद गिरफ्तार किए गए थे।

पुलिस ने उस घटनास्थल से तीन सेमी-ऑटोमेटिक पिस्तौल के साथ 777 कारतूस बरामद किए थे। एक ही स्थान से इतनी बड़ी संख्या में कारतूस और हथियार मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने हथियारों की आपूर्ति करने वाले स्रोतों और इसके पीछे सक्रिय लोगों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी थी कि इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और कारतूस कहां से लाए गए थे तथा इनकी आपूर्ति के पीछे कौन लोग काम कर रहे थे।

रीगा थाना क्षेत्र की इस घटना के बाद एसटीएफ ने तस्करी के संभावित नेटवर्क की जांच तेज कर दी थी। इसी जांच के दौरान अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिलने की जानकारी सामने आई है। अब भोजपुर के कोईलवर में 19 हजार कारतूस की बरामदगी को उसी नेटवर्क की जांच की एक अहम कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। सीतामढ़ी के रीगा थाना क्षेत्र में सात अक्टूबर को हुई कार्रवाई के संबंध में थाना कांड संख्या 384/26 दर्ज है। इस मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उस कांड में गिरफ्तार किए गए आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

जांच में गिरफ्तार सुनील कुमार के खिलाफ सीतामढ़ी जिले के विभिन्न थानों में सात आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी मिली है। इसी मामले में गिरफ्तार मन शंकर उर्फ मणि सिंह के खिलाफ पांच और इंदल कुमार उर्फ इंदल महतो के खिलाफ चार आपराधिक कांड दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। इन आपराधिक मामलों और हाल में हुई बड़ी बरामदगी के बाद पुलिस हथियार तस्करी के पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि सीतामढ़ी में बरामद हथियार और कारतूस तथा भोजपुर में पकड़े गए कारतूसों के बीच किस स्तर पर संबंध है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या दोनों मामलों में एक ही आपूर्ति नेटवर्क सक्रिय था।

एसटीएफ की कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई है— सारस कुमार, पिता स्वर्गीय मधुबिंद्र कुमार, निवासी इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, अहियापुर, मुजफ्फरपुर। लल्टू कुमार, पिता रामदेव चौधरी, निवासी फतेहपुर, अहियापुर, मुजफ्फरपुर। चंदन तिवारी, पिता स्वर्गीय नंद किशोर तिवारी, निवासी माधवपुर, तरवारा, सीवान। पुलिस अब इन तीनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर उनके अन्य संपर्कों और आपराधिक गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा यह भी पता लगाया जा रहा है कि इससे पहले भी इनके माध्यम से कितनी बार हथियार या कारतूसों की तस्करी की गई थी। भोजपुर में हुई इस बड़ी बरामदगी के बाद बिहार एसटीएफ की जांच का दायरा बढ़ गया है। अब जांच केवल गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों तक सीमित नहीं है, बल्कि कारतूसों के स्रोत, परिवहन के रास्ते, संभावित खरीदारों और बिहार के अलग-अलग जिलों में सक्रिय तस्करों तक पहुंचने पर केंद्रित है। जब्त किए गए पांच मोबाइल फोन इस जांच में अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के बदायूं से बिहार तक कारतूस पहुंचाने के लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया था। मुजफ्फरपुर, सुपौल, दरभंगा और सीवान में जिन लोगों तक कारतूस पहुंचाए जाने थे, उनकी पहचान करना भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कुल मिलाकर, भोजपुर के कोईलवर चेक पोस्ट के पास करीब 19 हजार कारतूस की बरामदगी बिहार में अवैध हथियार और कारतूस तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एसटीएफ ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ एक देसी पिस्तौल, मैगजीन, टाटा सफारी और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। अब पुलिस की जांच का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश से बिहार तक फैले इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करना और कारतूसों की प्रस्तावित आपूर्ति से जुड़े सभी पहलुओं का पता लगाना है।

19 हजार कारतूस के साथ देसी पिस्तौल और पांच मोबाइल भी बरामद

एसटीएफ की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बोर के करीब 19 हजार कारतूस बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त प्वाइंट 32 बोर की एक देसी पिस्तौल भी मिली है, जिसके साथ मैगजीन लगी हुई थी। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही टाटा सफारी सहित एक चार पहिया वाहन और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। बरामद मोबाइल फोन को जांच के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस इन मोबाइलों में मौजूद संपर्कों, बातचीत और अन्य उपलब्ध जानकारियों की जांच कर रही है, ताकि कारतूसों की खरीद, परिवहन और उनकी आगे होने वाली आपूर्ति से जुड़े लोगों की पहचान की जा सके। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि गिरफ्तार आरोपियों का संपर्क बिहार और उत्तर प्रदेश के किन-किन हथियार तस्करों से था। इतनी बड़ी संख्या में कारतूसों की बरामदगी के बाद पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इनका इस्तेमाल कहां और किस उद्देश्य से किया जाना था। हालांकि, इस संबंध में अभी जांच जारी है और पुलिस की ओर से किसी संभावित आपराधिक साजिश को लेकर अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

उत्तर प्रदेश के बदायूं से बिहार पहुंचाई जा रही थीं गोलियां

प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के अनुसार, बरामद कारतूस उत्तर प्रदेश के बदायूं से बिहार लाए जा रहे थे। इन कारतूसों को बिहार के चार जिलों में सक्रिय तस्करों तक पहुंचाने की योजना थी। जिन जिलों के नाम सामने आए हैं, उनमें मुजफ्फरपुर, सुपौल, दरभंगा और सीवान शामिल हैं। जांच एजेंसियां अब इस बात का पता लगा रही हैं कि बदायूं में कारतूसों की व्यवस्था किसने की थी और बिहार में इनकी आपूर्ति किन लोगों के माध्यम से होनी थी। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या गिरफ्तार तीनों आरोपी केवल परिवहन का काम कर रहे थे या तस्करी के नेटवर्क में उनकी कोई बड़ी भूमिका थी। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे में गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। उनके मोबाइल फोन की जांच और आपसी संपर्कों के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास का भी पता लगाया जा रहा है।

सम्राट चौधरी ने गडकरी से की मुलाकात

पटना से पूर्णिया और बेतिया तक बिछेगा सड़कों का जाल, 49751 करोड़ से बदलेगी तस्वीर

पटना (संवाददाता)। बिहार में सड़क निर्माण से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं को जल्द मंजूरी दिलाने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्र के सामने अपनी बात रखी है. सोमवार को नई दिल्ली में उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की. इस दौरान राज्य की चार बड़ी ग्रीनफील्ड और सड़क परियोजनाओं पर चर्चा हुई.



मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में करीब 330 किलोमीटर लंबाई की चार सड़क परियोजनाओं को केंद्र की सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति से मंजूरी मिल चुकी है. अब ये योजनाएं आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति यानी CCEA की अंतिम मंजूरी के लिए विचाराधीन हैं. इन चार परियोजनाओं की कुल लागत 49751 करोड़ रुपये है. सम्राट चौधरी ने नितिन गडकरी से इन योजनाओं को जल्द मंजूरी दिलाने का अनुरोध किया. इनमें एनएच-727A पर गंडक नदी में 2 लेन पुल और उससे जुड़ी सड़क का निर्माण शामिल है. इस परियोजना पर 1976.77 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है. इसके तहत पश्चिम चंपारण के मनुआपुल यानी बेतिया को उत्तर प्रदेश के तिवारीपट्टी यानी सेवराही से जोड़ा जाएगा.

मुख्यमंत्री ने पटना-पूर्णिया फोरलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का मुद्दा भी उठाया. इस परियोजना की अनुमानित लागत 31987.11 करोड़ रुपये बताई गई है. इसके अलावा सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंड में छह लेन एलिवेटेड रोड और सर्विस रोड बनाने के लिए 8455.86 करोड़ रुपये की मंजूरी मांगी गई.

जेडीयू की शिकायत पर ऐक्शन में स्पीकर

अनंत सिंह को विधानसभा से नोटिस, विधायिकी खत्म करने पर 7 दिन में मांगा गया जवाब

पटना (संवाददाता)। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने जेडीयू से बर्खास्त मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को दल-बदल कानून के तहत उनकी पार्टी द्वारा कार्रवाई की मांग के मद्देनजर उनका पक्ष रखने के लिए नोटिस भेज दिया है। विधानसभा सचिवालय से अनंत सिंह को भेजे गए नोटिस में सात दिनों के अंदर जवाब देने कहा गया है। एमएलसी चुनाव में पटना ग्रेजुएट के जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ जन सुराज पार्टी के कैंडिडेट अनुज सिंह का प्रचार करने के लिए अनंत सिंह और उनकी पूर्व विधायक पत्नी नीलम देवी को पार्टी से निकालने के बाद जेडीयू ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में विधानसभा स्पीकर से उनकी विधायिकी भी खत्म करने की मांग की है।

अनंत सिंह की विधानसभा सदस्यता समाप्त करने के लिए जदयू ने 24 अक्टूबर को ही विधानसभा स्पीकर को 10 पन्नों के सबूत और इलेक्ट्रोनिक साक्ष्य के साथ शिकायती पत्र दिया था। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा था कि मोकामा विधायक की पार्टी विरोधी गतिविधियों के बहुत सारे सबूत हैं। स्पीकर प्रेम कुमार ने इस मामले में बाद में मीडिया से कहा था कि अनंत सिंह का पक्ष जानने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा के सचिव संजय सिंह ने विधायक का पक्ष जानने के लिए यह अनंत सिंह को नोटिस जारी किया है। उन्हें सात दिनों में नोटिस का जवाब देना है।

जदयू ने पार्टी से निकालने के बाद उनकी पत्नी नीलम देवी को राज्य स्तरीय 20 सूत्री समिति से बाहर करवा दिया था। इस समिति के सदस्य का दर्जा उप-मंत्री का होता है और इस हैसियत से नीलम को वह सरकार बंगला आवंटित था, जिसमें अनंत सिंह का परिवार लंबे समय से रह रहा है। नीलम देवी को समिति से निकालने के बाद सरकार ने बंगला खाली करने का भी नोटिस भेज दिया था और एक महीने का समय दिया है। अनंत सिंह की बेटी की शादी 25 नवंबर को है, जो संभवत: वो अपने गांव लदमा से करेंगे। इसके बाद मोकामा के बहुचर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड में पटना हाईकोर्ट से मिली जमानत को दुलारचंद के पोते नीरज यादव द्वारा दी गई चुनौती पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर को अनंत सिंह को 1 दिसंबर तक सरेंडर करके वापस जेल जाने का आदेश दिया है। 25 नवंबर को अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी सिंह की शादी है। अदालत ने बेटी की शादी के लिए अनंत सिंह को आत्मसमर्पण के लिए एक महीने की मोहलत दी है। एक तरफ अनंत सिंह के फिर जेल जाने की तारीख तय हो चुकी है और अब उनकी विधायिकी खत्म कराने की जेडीयू की अपील पर स्पीकर ने कार्रवाई चालू कर दी है। संभावना जताई जा रही है कि अगर अनंत सिंह विधानसभा से अयोग्य हुए तो मोकामा में उप-चुनाव होगा। अनंत सिंह अगर उप-चुनाव के दौरान जेल में बंद रहे तो वो खुद या उनका बेटा चुनाव लड़ सकता है। पटना स्नातक सीट पर अनंत सिंह और नीरज कुमार के झगड़े का हल निकालने की जिम्मेदारी पार्टी ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को दी थी। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि ललन सिंह इस संबंध में बात करेंगे। ललन उन दोनों का झगड़ा सुलझा नहीं पाए। अनंत सिंह के भारी विरोध के बावजूद पटना सीट पर जीत दर्ज करने के बाद नीरज ने ललन सिंह से बधाई और आशीर्वाद लेने से इनकार करते हुए यहां तक तक कह दिया था कि वो इस राजनीतिक कर्ज को सूद समेत चुकाएंगे। हालांकि, दो दिन बाद नीरज के सुर बदल गए और वे ललन सिंह की तारीफ करने लगे।

सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद लालू यादव को याद आया यूपीए का दौर, मनरेगा से लेकर आरटीआई और बिहार को मिले 1.45 लाख करोड़ का किया जिक्र

- राजद सुप्रीमो ने मनमोहन सिंह सरकार की योजनाओं और बिहार के विकास के लिए दी गई आर्थिक सहायता को किया याद



पटना (संवाददाता)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार, 2 नवंबर 2026 को दिल्ली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। इस दौरान सोनिया गांधी ने लालू यादव के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके साथ काफी समय बिताया। दोनों नेताओं की इस मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद बिहार से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक इसकी चर्चा शुरू हो गई है। मुलाकात के बाद लालू प्रसाद यादव ने पुराने राजनीतिक दिनों को याद करते हुए पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के कार्यकाल की कई महत्वपूर्ण योजनाओं और फैसलों का जिक्र किया। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) और सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) का उल्लेख करते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार ने युवाओं, किसानों, जवानों और आम नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए कई पारदर्शी और जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं। इसके साथ ही उन्होंने बिहार के विकास के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि दिए जाने की बात भी दोहराई।

सोनिया गांधी और लालू प्रसाद यादव की मुलाकात की जानकारी स्वयं राजद सुप्रीमो ने अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यम खाते पर तस्वीरें साझा करके दी। इन तस्वीरों में सोनिया गांधी लालू यादव से मुलाकात करती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों के साथ लालू यादव ने लिखा कि आदरणीय मैडम श्रीमती सोनिया गांधी उनके आवास पर पहुंचीं और उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पुराने दिनों की यादें ताजा कीं और यूपीए सरकार के कार्यकाल में किए गए कामों को याद किया। लालू यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा कि यूपीए सरकार के दौरान युवाओं, किसानों, जवानों और आम आदमी के हित में पारदर्शी एवं जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई थीं। मनरेगा, शिक्षा का अधिकार और सूचना का अधिकार जैसे कानूनों के माध्यम से देशवासियों को सशक्त बनाने का काम किया गया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए बिहार के विकास के लिए एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराने की बात भी कही।

सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद लालू प्रसाद यादव ने जिन योजनाओं और कानूनों का विशेष रूप से उल्लेख किया, उनमें मनरेगा, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सूचना का अधिकार अधिनियम शामिल हैं। इन कानूनों को यूपीए सरकार के कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के रूप में देखा जाता है। मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को रोजगार की कानूनी गारंटी देने की व्यवस्था की गई। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूत करना और जरूरतमंद लोगों को उनके क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना था। लालू यादव ने इस योजना का उल्लेख करते हुए तत्कालीन सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को याद किया। इसी तरह शिक्षा का अधिकार अधिनियम के माध्यम से बच्चों को शिक्षा का कानूनी अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कार्यकाल में यह कानून लाया गया था और अप्रैल 2010 में देशभर में लागू हुआ। इस कानून के तहत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान किया गया।

वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम को सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला महत्वपूर्ण कानून माना जाता है। वर्ष 2005 में इस कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। इसके माध्यम से आम नागरिकों को सरकारी विभागों और सार्वजनिक प्राधिकरणों से सूचनाएं मांगने का अधिकार मिला। इस कानून को भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। लालू यादव ने इन तीनों कानूनों का जिक्र करते हुए कहा कि यूपीए सरकार के समय आम लोगों के हितों को ध्यान में रखकर नीतियां बनाई गई थीं। उनके संदेश से यह भी स्पष्ट हुआ कि वह उस दौर की राजनीतिक साझेदारी और सरकार की उपलब्धियों को आज भी महत्वपूर्ण मानते हैं। राजद सुप्रीमो ने अपने संदेश में युवाओं, किसानों, जवानों और आम नागरिकों के हित में लागू की गई योजनाओं को भी याद किया। उनके अनुसार, उस समय सरकार की प्राथमिकता आम लोगों को अधिकार देना और सरकारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाना था।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में राष्ट्रीय जनता दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। लालू प्रसाद यादव और उनकी पार्टी यूपीए के प्रमुख सहयोगियों में शामिल थे। उस दौरान केंद्र की राजनीति में राजद की भूमिका काफी प्रभावशाली रही और लालू यादव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में रेल मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली थी। यूपीए सरकार के कार्यकाल में सोनिया गांधी गठबंधन की प्रमुख नेता थीं, जबकि डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। इस दौरान लालू यादव और कांग्रेस नेतृत्व के बीच राजनीतिक समन्वय बना रहा। दोनों दलों ने कई महत्वपूर्ण राजनीतिक और सरकारी फैसलों में साथ काम किया।

बिहार को मिले एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये का भी किया जिक्र

लालू प्रसाद यादव ने सोनिया गांधी के साथ बातचीत के दौरान बिहार के विकास के लिए तत्कालीन यूपीए सरकार की ओर से दी गई आर्थिक सहायता को भी याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बिहार के विकास के लिए एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई गई थी। लालू यादव ने अपनी पोस्ट में इस राशि का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस समय बिहार के विकास के लिए केंद्र की ओर से महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग दिया गया था। उनके इस बयान के बाद एक बार फिर बिहार की राजनीति में यूपीए सरकार के कार्यकाल और उस दौरान राज्य को मिली केंद्रीय सहायता की चर्चा शुरू हो गई है।

तेजस्वी यादव ने बताया दोनों नेताओं के बीच पुराने और अच्छे संबंध

सोनिया गांधी और लालू प्रसाद यादव की मुलाकात पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच काफी पुराने और अच्छे संबंध रहे हैं। राजनीतिक जीवन में दोनों ने एक-दूसरे का सहयोग किया है और मुश्किल परिस्थितियों में भी साथ खड़े रहे हैं। तेजस्वी यादव के मुताबिक, सोनिया गांधी लालू यादव की तबीयत का हाल जानने के लिए उनके आवास पर पहुंची थीं। उन्होंने लालू यादव के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी देखभाल करने की बात कही। तेजस्वी ने यह भी बताया कि दोनों नेताओं की काफी समय से मुलाकात नहीं हुई थी। ऐसे में सोमवार को हुई इस मुलाकात के दौरान पुराने संबंधों और यादों को साझा करने का अवसर मिला। तेजस्वी यादव ने दोनों नेताओं के रिश्तों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके बीच लंबे समय से राजनीतिक और व्यक्तिगत स्तर पर बेहतर संबंध रहे हैं। यही वजह है कि सोनिया गांधी ने लालू यादव के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए उनसे मुलाकात की।

दिल्ली में प्रदूषण पर ब्रेक : पुरानी गाड़ियों की नो-एंट्री, पार्किंग शुल्क दोगुना और 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम लागू



नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ने और सर्दियों में वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर तक पहुंचने की आशंका को देखते हुए कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। यह व्यापक कार्ययोजना आगामी 31 जनवरी और कुछ मामलों में 28 फरवरी तक प्रभावी रहेगी। इन नए नियमों का सीधा प्रभाव सड़क पर निजी वाहन लेकर निकलने वालों, सरकारी व निजी दफ्तरों के कर्मचारियों और निर्माण क्षेत्र की गतिविधियों पर पड़ेगा। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की फेलो प्रार्थना बोरा और एनवायरोकेटालिस्ट के विशेषज्ञ सुनील दहिया के अनुसार इन पाबंदियों से प्रदूषण स्तर में फौरी राहत तो मिलेगी, लेकिन समग्र असर के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ साझा तालमेल और निगरानी तंत्र को मजबूत करना अनिवार्य होगा।

सड़क परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण पाने के लिए दिल्ली के बाहर अन्य राज्यों में पंजीकृत बीएस-VI (BS-6) से नीचे के सभी डीजल और पेट्रोल वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर पूर्ण पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि, सीएनजी, इलेक्ट्रिक और आवश्यक सेवाओं में लगी आपातकालीन गाड़ियों को इस प्रतिबंध से पूरी तरह छूट दी गई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस कड़े फैसले से 10 लाख से अधिक बाहरी गाड़ियां दिल्ली की सड़कों पर आने से रुकेंगी, जिससे ट्रैफिक जाम में भारी कमी आएगी और मौसमी परिस्थितियों के आधार पर वाहनों से होने वाले धुएं में 3 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। पर्यावरणविदों का सुझाव है कि एनसीआर के सीमावर्ती जिलों में भी ऐसे प्रतिबंध समानांतर रूप से लागू किए जाने चाहिए और पीयूसी सेंटरों की कार्यप्रणाली में सुधार किया जाए। निजी गाड़ियों के बजाय सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के सभी अधिकृत पार्किंग स्थलों पर 1 नवंबर से 28 फरवरी तक निजी वाहनों का पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की आधिकारिक पार्किंगों को इस वृद्धि से बाहर रखा गया है। शुल्क दोगुना होने से 20 से 30 प्रतिशत वाहन चालकों के सार्वजनिक साधनों की ओर रुख करने की उम्मीद है, जिससे पार्किंग स्थलों के इर्द-गिर्द लगने वाले जाम में राहत मिलेगी और प्रदूषण में 1 से 3 फीसदी की कमी संभव होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल शुल्क बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निजी वाहन छोड़कर मेट्रो या बस अपनाने वालों, साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित कॉरिडोर और प्रोत्साहन योजनाएं भी लानी होंगी।

सड़कों पर पीक आवर्स के दौरान वाहनों का अत्यधिक दबाव घटाने के लिए कार्यालयी व्यवस्था में बड़ा फेरबदल किया गया है। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में केवल 50 प्रतिशत कर्मचारियों को ही दफ्तर बुलाया जाएगा, जबकि शेष 50 फीसदी कर्मचारी घर से (वर्क फ्रॉम होम) काम करेंगे। इसके साथ ही दफ्तरों के समय में भी अंतर किया गया है, जिसके तहत नगर निगम के दफ्तर सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक चलेंगे, जबकि दिल्ली सरकार के प्रशासनिक दफ्तर सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक संचालित होंगे। समय के इस विभाजन से व्यस्ततम समय में ट्रैफिक जाम 20 से 25 प्रतिशत तक घटने का अनुमान है। जानकारों ने सुझाव दिया है कि आगामी त्योहारी सीजन में भीड़ नियंत्रण के लिए स्कूलों और बाजारों के खुलने-बंद होने के समय में भी आवश्यकतानुसार बदलाव किया जाना चाहिए।

सर्दियों में हवा में तैरने वाले धूल कणों (PM 10) को रोकने के लिए खुले में धूल उड़ाने वाले निर्माण और ध्वस्तीकरण (डिमोलिशन) कार्यों पर 31 जनवरी तक पूरी तरह रोक लगा दी गई है। हालांकि, इमारतों के अंदर होने वाले फिनिशिंग, प्लंबिंग और बिजली से जुड़े काम आवश्यक दिशा-निर्देशों के तहत जारी रह सकेंगे। इसके अलावा आवश्यक सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को छूट दी गई है। इस प्रतिबंध से हवा में उड़ने वाली धूल तो कम होगी, लेकिन निर्माण मजदूरों के दैनिक रोजगार पर असर पड़ने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ बड़े प्रोजेक्ट्स ही नहीं, बल्कि आंतरिक सड़कों की सफाई, धूल नियंत्रण और निर्माण सामग्री ढोने वाले ट्रकों की सख्त चेकिंग पर भी पैनी नजर रखी जानी चाहिए।

उत्तरकाशी में केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन, 8 ट्रेकर्स बर्फीले रास्ते में फंसे

एनडीआरएफ - एसडीआरएफ का संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू



उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित केदारताल ट्रेक पर अचानक आए भीषण हिमस्खलन (एवलांच) ने पर्वतारोहियों और ट्रेकर्स की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भोजखड़क से आगे भारी हिमस्खलन और ग्लेशियर टूटने की वजह से सात ट्रेकर्स और एक सपोर्टिंग स्टाफ समेत कुल आठ लोग बर्फीले इलाके में फंस गए हैं। गनीमत यह रही कि दल के साथ गए चार लोग जिनमें तीन पोर्टर और एक कुक शामिल हैं- कच्ची ढांग के पास पूरी तरह सुरक्षित खोज लिए गए हैं। बर्फीले तूफान और दुर्गम पहाड़ियों के बीच फंसे बाकी आठ लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए शनिवार सुबह से युद्धस्तर पर साझा राहत व बचाव अभियान शुरू किया गया है।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सात ट्रेकर्स और छह सपोर्टिंग स्टाफ का कुल 13 सदस्यीय दल 27 अक्टूबर को गंगोत्री धाम से केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुआ था। पूर्व निर्धारित योजना के तहत पूरे दल की वापसी 29 अक्टूबर तक होनी थी। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में अचानक बदले मौसम, कड़ाके की बर्फबारी और रास्ते में ग्लेशियर खिसक आने के कारण पूरा ट्रेकिंग मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिससे दल तय समय पर बेस कैंप नहीं पहुंच सका।

तय समय पर वापसी न होने और संपर्क कट जाने के बाद प्रशासन ने खोजबीन के प्रयास तेज किए। 30 अक्टूबर को ट्रेकिंग एजेंसी के सैटेलाइट व फोन संपर्कों के माध्यम से दल से संक्षिप्त बातचीत हो सकी, जिसमें उन्होंने कच्ची ढांग के पास सुरक्षित होने की बात कहते हुए आपातकालीन सहायता की मांग की थी। इसके बाद शनिवार तड़के राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रतिवादन बल , वन विभाग और ट्रेकिंग एजेंसी के विशेषज्ञ पर्वतारोहियों की संयुक्त टीमें रेस्क्यू के लिए रवाना कर दी गईं।

केदारताल क्षेत्र समुद्र तल से काफी ऊंचाई पर स्थित होने और तापमान शून्य से नीचे चले जाने के कारण पैदल बचाव दल को आगे बढ़ने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। संकरे बर्फीले रास्तों और लगातार गिरती बर्फ की चुनौतियों को देखते हुए प्रशासन ने भारतीय वायुसेना या नागरिक उड्डयन विभाग के हेलीकॉप्टरों की मदद लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मौसम साफ होते ही हवाई सर्वे कर फंसे हुए सभी ट्रेकर्स को सुरक्षित एयरलिफ्ट करने की योजना बनाई गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से पहले सभी को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को मिला आधुनिक विकास का नया विस्तार : मुख्यमंत्री योगी



लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बढ़ता पर्यटन, व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है। किंतु वर्ष 2017 से पहले यह दिव्य नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने के लिए विवश थी। श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं सीमित थीं। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर से लेकर राम पथ, धर्म पथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा एवं राम नगरी के गौरव से जुड़ा है। इस परिवर्तन का प्रकाश अयोध्या वासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन, व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का यह केंद्र आज विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक चेतना और समृद्धि का उज्ज्वल प्रतीक बन गया है।

एक अन्य पोस्ट में सीएम योगी ने जानकारी दी कि रविवार को गोरखपुर के चौरी चौरा विधानसभा क्षेत्र में 287 करोड़ रुपए से अधिक लागत से चौरी चौरा-भोपा बाजार-मुण्डेरा बाजार-सोनबरसा मार्ग पर समपार संख्या 147-बी पर रेल उपरिगामी सेतु सहित 84 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास होगा। उन्होंने बताया कि 495 करोड़ रुपए से अधिक लागत की गोड़धोइया नाला परियोजना का प्रथम चरण जनता को समर्पित किया जाएगा, जबकि 880 करोड़ रुपए से अधिक लागत से इसके द्वितीय चरण, गोरखपुर सीवरेज योजना के जोन ए-3 और प्रस्तावित सर्विस रोड की आधारशिला रखी जाएगी।

सड़क हादसे में बर्थडे पार्टी से लौट रहे 2 दोस्तों की मौत

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो परिवारों के चिराग बुझ गए। दोस्त की जन्मदिन पार्टी से लौट रहे दो युवकों की कार पुलिस लाइन के नजदीक फ्लाईओवर पर खड़ी नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान स्पीड रिकॉर्ड म्यूजिक कंपनी के मालिक दिनेश के बेटे विदित ओलक और पप्पी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवाड़ के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 18 से 19 साल बताई जा रही है।

दोनों युवक फॉक्सवैगन कार में सवार होकर दोस्त की बर्थडे पार्टी से वापस घर लौट रहे थे। कार जब बीएमसी चौक की तरफ से बीएसएफ चौक की ओर जा रही थी, तभी फ्लाईओवर पर खड़ी नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के वक्त कार में कुल पांच युवक सवार थे। हादसे की जानकारी तड़के करीब 3 बजे थाना बारादरी पुलिस को मिली।

जोशीमठ के बाद हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गए 6 लोगों के शव बरामद, एम्स ऋषिकेश ले जाए गए



चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे में जान गंवाने वाले सभी छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने रविवार को बताया कि छह लोगों के शवों को सड़क मार्ग तक पहुंचा दिया गया है। चमोली पुलिस ने बताया कि भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), पुलिस, जिला प्रशासन और वन विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। यह ऑपरेशन एक दुर्गम और अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाके में बेहद कठिन परिस्थितियों के बीच पूरा किया गया। पुलिस ने बताया कि रेस्क्यू टीम ने कठिन पहाड़ी रास्तों पर पैदल चलकर इन छह लोगों के शवों को बरामद किया। इसके बाद शवों को सड़क मार्ग से जोशीमठ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, शवों को एनटीपीसी हेलीपैड से एयरलिफ्ट करके अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश पहुंचाया गया।

बता दें कि 30 अक्टूबर को बद्रीनाथ से सहस्त्रधारा जा रहा एक हेलीकॉप्टर जोशीमठ के पास %चाई% गांव के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें पांच यात्रियों और पायलट की मौत हो गई। इस हेलीकॉप्टर के पायलट की पहचान कैप्टन हिमांशु सभरवाल के रूप में हुई। यात्रियों में शामिल सभी लोग कर्नाटक के रहने वाले थे। इनमें बेंगलुरु पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर अरुण सालुंके, तुमकुरू के व्यवसायी एचएस नटराज, बेंगलुरु के व्यवसायी प्रताप बचिहल्ली निंगराजू, बेंगलुरु के वकील सुधीर के. और वकील शंकर गौड़ा वीबी शामिल थे। यह हेलीकॉप्टर ट्रांसभारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से संचालित किया जा रहा था। हादसे के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि प्रारंभिक जांच के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की एक टीम को देहरादून भेजा गया है। इसके अलावा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दुखद हेलीकॉप्टर हादसे की जांच के आदेश दिए। वहीं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि विमान हादसे में जान गंवाने वालों के शवों को वापस लाने के लिए सभी इंतजाम कर लिए गए हैं।

भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन तैयार हो रही, 280 किमी प्रति घंटे होगी अधिकतम परीक्षण गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत उच्च गति रेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। देश की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के लिए बेंगलुरु स्थित बीईएमएल के कारखाने में तैयार की जा रही है। इस ट्रेन को भारतीय परिस्थितियों, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, ट्रेन की अधिकतम परीक्षण गति 280 किलोमीटर प्रति घंटा और परिचालन गति 249 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

ट्रेन की कुल लंबाई लगभग 202 मीटर होगी और इसमें आठ डिब्बे लगाए जाएंगे। इनमें चार मोटर डिब्बे और चार सामान्य डिब्बे शामिल होंगे। ट्रेन में एक बार में लगभग 557 यात्री सफर कर सकेंगे। दिव्यांगजनों के लिए दो विशेष सीटों की व्यवस्था भी की गई है। ट्रेन के दोनों सिरों पर चालक कक्ष बनाए गए हैं, जिन्हें अत्याधुनिक स्वचालित नियंत्रण प्रणाली से जोड़ा गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में सात सामान्य श्रेणी के डिब्बे होंगे। इनमें तीन-तीन सीटों की दो पंक्तियों यानी 3म2 की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा एक कार्यकारी श्रेणी का डिब्बा होगा, जिसमें 2म2 सीटों की व्यवस्था की जाएगी। भविष्य में ऐसी दो आठ डिब्बों वाली ट्रेनों को जोड़कर 16 डिब्बों वाली ट्रेन भी बनाई जा सकेगी। ट्रेन में भारतीय मानकों के अनुरूप आरामदायक और शारीरिक



बनावट के अनुकूल सीटें, पर्याप्त पैर रखने की जगह, एलईडी रोशनी, ऊपर सामान रखने के लिए रैक और बड़े सामान के लिए फर्श पर विशेष स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

ट्रेन में यात्रियों के चढ़ने और उतरने के लिए समतल प्रवेश व्यवस्था होगी। दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय और जैविक शौचालय भी बनाए जाएंगे। प्रत्येक सीट के पास बड़ी खिड़कियां होंगी। डिब्बों के बीच एकल-खंड बंद गलियारा बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बाहरी शोर का प्रभाव भी कम होगा।

यात्रियों को यात्रा से जुड़ी जानकारी देने के लिए डिब्बों में एलसीडी पर्दे लगाए जाएंगे। इन पर अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में सूचनाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्वचालित उद्घोषणा प्रणाली, आपात स्थिति में बातचीत के लिए विशेष उपकरण और वाई-फाई आधारित मनोरंजन प्रणाली भी उपलब्ध रहेगी।

यह बुलेट ट्रेन 25 किलोवोल्ट प्रत्यावर्ती धारा वाली विद्युत प्रणाली पर संचालित होगी। इसमें पुनर्योजी ब्रेकिंग प्रणाली लगाई जाएगी, जिसके माध्यम से ब्रेक लगाने के दौरान उत्पन्न ऊर्जा को दोबारा उपयोग में लाकर बिजली की बचत की जा सकेगी। ट्रेन में ध्वनि रोधन व्यवस्था, शोर कम करने वाली विशेष परत और पहियों के नीचे लगे ढांचे को ढकने वाले आवरण लगाए जाएंगे, ताकि तेज गति के दौरान शोर का स्तर कम रहे। इसके वायुगतिकीय डिजाइन को भी विशेष तकनीक से तैयार किया जा रहा है।

कंटेनर की टक्कर से पुलिस की गाड़ी खाई में गिरी, असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर और ड्राइवर की मौत

रत्नागिरि (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के लांजा तालुका में मुंबई-गोवा नेशनल हाईवे पर देर रात अंजनारी पुल के पास एक भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में एक पुलिसकर्मी और ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। लोहे की छड़ें ले जा रहा एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक, हथखंबा हाईवे ट्रैफिक पुलिस यूनिट की सरकारी बोलेरो गाड़ी से पीछे से टकरा गया।

टक्कर के बाद बोलेरो एक खड़ी ढलान से नीचे अंजनारी नदी की ओर लगभग 80 से 100 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई। इस हादसे में असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) संतोष अप्पासाहेब गायकवाड़ (51) और कंटेनर चालक की भी मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, हथखंबा ट्रैफिक पुलिस यूनिट की सरकारी गाड़ी अंजनारी पुल के नीचे नदी में एक वाहन के गिरने की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल की ओर जा रही थी। इसी दौरान, लोहे की छड़ें ले जा रहा का एक कंटेनर ट्रक पीछे से पुलिस की गाड़ी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो एक खड़ी ढलान से नीचे अंजनारी नदी की ओर लगभग 80 से 100 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई। कंटेनर ट्रक भी सड़क से उतरकर खाई में पलट गया। इस हादसे में दो पुलिस कांस्टेबलों और एक असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद लांजा के सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर कदम, पुलिस इंस्पेक्टर दीपाली जाधव, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सत्यराज घुले, सब-इंस्पेक्टर बलवंत पाटिल और अन्य पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों को पहले पाली ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए रत्नागिरी जिला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया।

कांग्रेस की रामलीला मैदान रैली से दिल्ली के व्यापार पर संकट, 80 प्रतिशत कारोबार ठप : सीटीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित कांग्रेस की रैली के कारण दिल्ली के व्यापार पर पड़ रहे असर के संबंध में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक और पत्र लिखा है। सीटीआई ने दिल्ली के बाजारों में खरीद के लेकर लोगों से राहुल गांधी की अपील का स्वागत किया। साथ ही, कहा कि जमीन पर स्थिति बिल्कुल विपरीत है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, राहुल गांधी ने वीडियो संदेश जारी करके रैली में आने वाले लोगों से कहा है कि बाजारों में जाकर खरीददारी करें और व्यापारियों की मदद करें, लेकिन रैली के कारण इतना ज्यादा पैनिक फैल चुका है जिसके कारण रामलीला मैदान के आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले बाजारों में लगभग 3 लाख दुकानों में से लगभग 2.5 लाख दुकानें (80 प्रतिशत) बंद रहने के आसार हैं। जब दुकानें ही बंद रहेंगी तो रैली में शामिल होने वाले खरीददारी करने कहां जाएंगे। बृजेश गोयल ने उन आरोपों को भी खारिज किया, जिनमें उन्हें भाजपा का एजेंट बताया गया। सीटीआई चेयरमैन ने कहा, हमें भाजपा का एजेंट बताया जा रहा है। 100 बड़ी मार्केट एसोसिएशन्स ने आपसे रैली टालने की अपील की थी। ये सब किसी पार्टी के एजेंट नहीं हैं। ये दिल्ली के व्यापारी हैं। इनका काम व्यापार करना है, राजनीति नहीं। हम किसी पार्टी के पक्ष या विपक्ष में नहीं हैं, हम दिवाली के पीक सीजन में अपनी रोजी-रोटी बचाने की गुहार लगा रहे थे।

सीटीआई के अनुसार, रामलीला मैदान के 5 किलोमीटर के दायरे में जो बड़े बाजार हैं, उनमें कश्मीरी गेट, मोरी गेट, जनपथ, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, सदर बाजार, अजमेरी गेट, दरियागंज, पहाड़गंज, कमला मार्केट, जामा मस्जिद, भागीरथ पैलेस, लाजपत राय मार्केट, किनारी बाजार, दरीबा कलां, बल्लीमारान, फतेहपुरी, तिलक बाजार, कनॉट प्लेस, पालिका बाजार और गफ्फार मार्केट शामिल हैं। सीटीआई ने बताया कि इन बाजारों में लगभग 3 लाख दुकानें हैं। बृजेश गोयल ने कहा, जो सूचना हमें सुबह से मिल रही है, उसके हिसाब से आज लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहेंगी और 80 प्रतिशत व्यापार पूरी तरह ठप रहेगा। सेंट्रल दिल्ली और मध्य दिल्ली पूरी तरह जाम और चोक रहने की आशंका है। सबसे बड़ा संकट ट्रांसपोर्ट का है।

आज रामलीला मैदान के इर्द-गिर्द 10 किलोमीटर के दायरे में जितने भी ट्रांसपोर्ट हैं, वो लगभग बंद रहेंगे। लोडिंग-अनलोडिंग नहीं होगी, माल की आवाजाही नहीं होगी और गाड़ियां माल लेकर आ-जा नहीं पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि रोजाना नरेला, बवाना, ओखला, मायापुरी, मुंडका, उद्योग नगर सहित 56 इंडस्ट्रियल एरिया से 5000 ट्रक-टेंपो माल लेकर इन बाजारों में आते हैं और यहां से 3000 ट्रक एनसीआर समेत पूरे देश में जाते हैं। आज वो सारी चेन टूट गई है। धनतेरस का माल गोदाम में पड़ा है, दुकान तक नहीं पहुंच पा रहा। सीटीआई ने अपने पत्र में कहा कि 6 नवंबर को धनतेरस और 8 नवंबर को दिवाली है।

1 नवंबर उसकी तैयारी का सबसे पीक दिन है। अगर आज बाजार बंद और ट्रांसपोर्ट ठप रहा है, तो रोजाना होने वाला 10-12 हजार करोड़ का कारोबार ठप हो जाएगा। 20 लाख व्यापारियों और 75 लाख लोगों की रोजी-रोटी पर संकट है। साथ ही, सीटीआई ने अपील करते हुए कहा, हम फिर कह रहे हैं, हम रैली के विरोधी नहीं हैं। रैली करिए, लेकिन 20 बाजारों के दिवाली व्यापार की कीमत पर नहीं। राहुल गांधी जी, आप कह रहे हैं बाजार में जाओ, लेकिन जब बाजारें-दुकानें ही बंद रहेंगी, ट्रांसपोर्ट ही ठप रहेगा और रास्ते ही बंद रहेंगे, तो रैली में आने वाले लोग कहां जाएंगे खरीदारी करने? पहले रास्ता तो खुला रखिए।

नाभि में जलन और दर्द को न समझें सामान्य समस्याएं, इन घरेलू उपायों से पाएं राहत

अगर आपको कभी भी अचानक से नाभि में जलन और दर्द की समस्या होने लगे है तो इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि इसके कारण आपको उठने-बैठने में काफी दिक्कत हो सकती है। यह पेट में इंफेक्शन के प्रभाव और कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप नाभि में होने वाली जलन और दर्द से जल्द राहत पा सकते हैं।



नारियल के तेल का करें इस्तेमाल-नारियल का तेल एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण के साथ-साथ सूदिंग इफेक्ट से युक्त होता है, जो नाभि की जलन और दर्द को दूर करने में सक्षम हैं। समस्या से राहत पाने के लिए बस आप नारियल के तेल को उंगली की मदद से अपनी नाभि पर लगाकर छोड़ दें ताकि वह अच्छे से त्वचा अब्जॉर्ब हो जाए। आप इस घरेलू नुस्खे को दिन में कई बार दोहरा सकते हैं।

कई बार गैस, अपच या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं के कारण भी नाभि में जलन और दर्द हो सकता है और इसे दूर करने के लिए आप अजवाइन का सेवन कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए आधी चम्मच से थोड़ी कम अजवाइन में थोड़ा काला नमक मिलाएं और फिर गुनगुने पानी के साथ इस मिश्रण की फंकी मारें। इस नुस्खे से आपको काफी जल्दी आराम मिलेगा।

सरसों के तेल से करें मालिश-जब भी नाभि में जलन और दर्द की समस्या हो तो इससे राहत पाने के लिए आप सरसों के तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। राहत के लिए सरसों के तेल की कुछ बूंदें नाभि में डालें। ऐसा तीन से चार दिनों तक करें। सरसों के तेल में कुछ ऐसे विशेष गुण मौजूद होते हैं, जो नाभि में होने वाली जलन और दर्द को जल्द दूर करने में सहायक है।

हींग भी है प्रभावी-पेट में गैस बनने की वजह से भी नाभि में जलन और दर्द की समस्या हो सकती हैं। पेट में गैस की समस्या दूर करने के लिए हींग का इस्तेमाल करना लाभदायक साबित हो सकता है। समस्या से राहत के लिए पहले एक चुटकी हींग को आधी चम्मच गुनगुने पानी में घोल लें और फिर इसे नाभि में डालकर छोड़ दें। यकीनन इस घरेलू नुस्खे से आपको काफी आराम मिलेगा।

शरीर पर एल्कोहल रगड़ने के कई फायदे

वैसे तो एल्कोहल का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं एल्कोहल आपकी कई समस्याओं को ठीक कर सकती है. जी हां, आपको पढ़कर बेशक हैरानी हो लेकिन ये सच है, आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्कोहल पीने के बजाय इसके और अलग क्या-क्या फायदे हो सकते है। एल्कोहल को शरीर पर रगड़ने को रबिंग एल्कोहल भी कहा जाता है। रबिंग एल्कोहल का इस्तेमाल एंटीसेप्टिक, क्लीनिंग एजेंट और कई सर्वाइवल टूल्स के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जानिए, कैसे करें इसका इस्तेमाल।

हैंड सैनेटाइजर - क्या आप जानते हैं एल्कोहल को हाथों में रगड़कर हैंड सैनेटाइजर का काम किया जा सकता है। जिस तरह से हैंड सैनेटाइजर का इस्तेमाल करने के बाद साबुन या पानी की जरूरत नहीं पड़ती। ठीक वैसे ही रबिंग एल्कोहल के साथ होता है. 30 सेंकेंड तक एल्कोहल को हाथों पर रब करें।

इससे हाथों के बैक्टीरिया मर जाएंगे.घाव के लिए - एल्कोहल रब करके आप शरीर के घाव को ठीक कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये एक शानदार एंटीसेप्टिक है। ये जर्म्स को तुरंत मार देता है। घाव पर एल्कोहल रब करके इसकी बैंडेज कर दें.इंजेक्शन से पहले- कई इंजेक्शन जैसे इंसुलिन जब बॉडी में लगता है तो इससे पहले उस जगह पर एल्कोहल लगा दें।

इससे स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया मर जाएंगे। एल्कोहल हाथ से ना लगाकर कॉटन से लगाएं। जब एल्कोहल ड्राई हो जाए तब इंजेक्शन लगाएं मेडिकल टूल-घर में मौजूद कुछ मेडिकल टूल जैसे ट्वीजर्स या चिमटी के इस्तेमाल से पहले इसे एल्कोहल से धोएं। ड्राई होने पर इन टूल्स का इस्तेमाल करें।

क्लीनिंग के लिए एल्कोहल का इस्तेमाल - जिद्दी दागों को मिटाने के लिए भी एल्कोहल का इस्तेमाल होता है। एक मग पानी में आधा मग एल्कोहल डालकर दाग, धब्बों को आसानी से 10 मिनट तक



रगड़ने से साफ किया जा सकता है। ये शीशे को भी चमका सकता है। टॉयलेट सीट साफ करने से लेकर सिंक तक को इससे साफ किया जा सकता है।

विंडो क्लीनर - अगर आपको अपने घर की विंडो चमकानी है तो भी ये एल्कोहल काम की है। एक पाइन्ट में दो चम्मच अमोनिया मिलाकर इसमें 2 टेबल स्पून डिश वॉश मिलाएं। इसे मिक्स कर स्प्रे बोतल में डालकर विंडो क्लीन करें और देखें कमाल।

जूतों की बदबू - आप एल्कोहल स्प्रे करके जूतों के बैक्टीरिया भी मार सकते हैं और इसकी स्मैल भी दूर कर सकते हैं।

नेल रिमूवर - अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है तो कॉटन से एल्कोहल नेल्स पर रगड़ें। आसानी से नेल क्लीन हो जाएंगे।एक्ने की समस्या को दूर करना है तो एल्कोहल से नियमित मुंह धोएं.पेन रिलिवर - यदि कपड़े में डालकर या फिर पानी से डायल्यूट करके पैरों पर रगड़ें इससे आर्थराइटिस सिम्टम्स जैसे ज्वॉइंट पेन, मसल्स पेन और ड्राई स्किन की समस्या दूर होगी।

गोंधराज लेबू को डाइट में शामिल करने के लिए ये 5 रेसिपी आजमाएं

गोंधराज लेबू एक तरह का फल है, जो काफिर लाइम की तरह स्वाद में खट्टा होता है। यह फल सिट्रोनेलोल, नेरोल, लिमोनेन, विटामिन सी और अल्कलॉइड्स जैसे आवश्यक यौगिकों से भरपूर होता है, जो स्वास्थ्य को कई लाभ देने के साथ-साथ व्यंजनों में एक अच्छा स्वाद जोड़ सकते हैं। आइए आज हम आपको गोंधराज लेबू की 5 रेसिपी बताते हैं, जिनके जरिए आप इस स्वास्थ्यवर्धक फल को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

गोंधराज मोमोज

सबसे पहले मैदा, पानी, गोंधराज लेबू का रस और कुकिंग ऑयल को मिलाकर नरम आटा गूंथ लें। अब फिलिंग के लिए एक कटोरे में बारीक कटी सब्जियां, सोया सॉस, काली मिर्च, नमक, गोंधराज लेबू का छिलका, अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज और गोंधराज नींबू का रस मिलाएं। इसके बाद आटे की छोटी-छोटी लोईयां बेलकर उनमें स्टफिंग डालें और आटे को सील कर दें। अंत में मोमोज को 10-12 मिनट के लिए स्टीम करें, फिर इन्हें शेजवन सॉस के साथ गरमागरम परोसें।

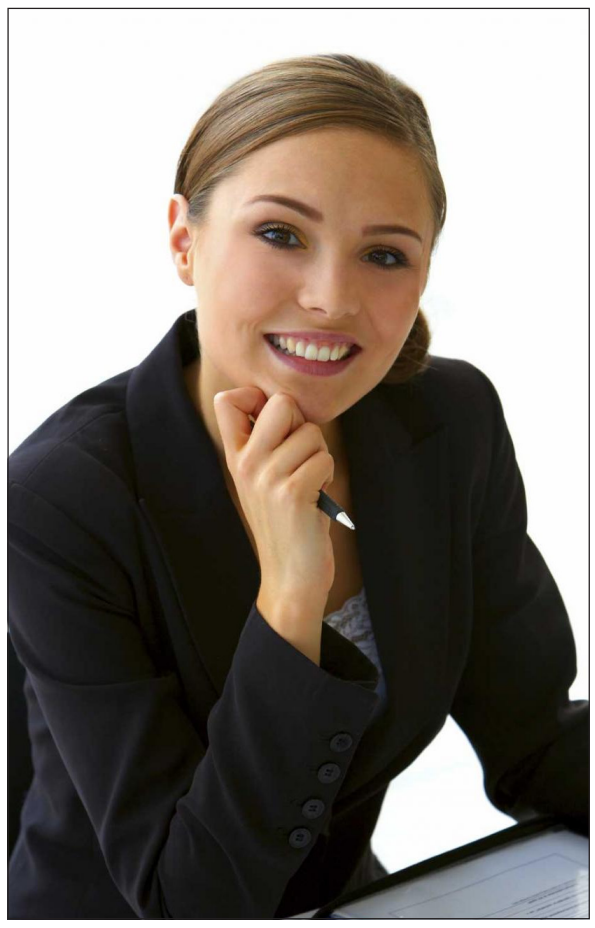
गोंधराज पुलाव -सबसे पहले चावल को धोकर छान लें और एक तरफ रख दें। अब पानी, दही और गोंधराज रस को एक साथ मिलाएं, फिर काजू और किशमिश को घी में भूनकर इसमें चावल डालें और 3-5 मिनट तक भूनें। इसके बाद एक कटोरे में तैयार गोंधराज मिश्रण, नमक, चीनी, गोंधराज के पत्ते, काजू, किशमिश और गरम पानी डालकर इसे पका लें। अंत में इसमें गोंधराज का छिलका और घी डालकर 10-12 मिनट के लिए रख दें, फिर इसे परोसें।

नारियल और गोंधराज लेबू पुडिंग-सबसे पहले नारियल के दूध में चीनी डालकर इसे 2 मिनट तक पकाएं। अब इसमें अगर-अगर डालकर फिर से पकाएं और मिश्रण को छानकर सांचों में डालें, फिर एक घंटे के लिए इसे फ्रिज में रखें। इसके बाद गोंधराज के रस, पानी, चीनी और गोंधराज लेबू के छिलकों को एक साथ पकाएं और मिश्रण को फ्रिज में रख दें। अंत में मिश्रण को डी-मोल्ड करें और इसे ठंडा-ठंडा परोसें।

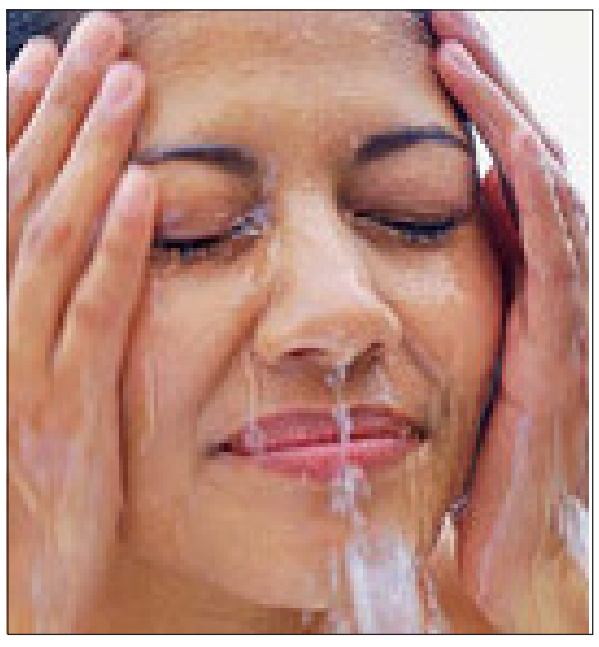
सबसे पहले एक कटोरे में फ्रेश क्रीम और पिसी चीनी के साथ फेंटे, फिर इसमें गोंधराज का रस और कंडेंस्ड मिल्क डालकर फिर से फेंटें। अब इस मिश्रण को एक पैन में डालें और ऊपर से इस पर गोंधराज के छिलके का रस छिड़कें, फिर पैन को एल्युमिनियम फॉयल से ढकें और इसे 2 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। अंत में मिश्रण को फिर से फेंटें और रातभर के लिए फ्रिज में रखने के बाद अगले दिन खाएं। इससे न सिर्फ शरीर को भरपूर ऊर्जा और ठंडक मिलेगी, बल्कि यह एक हाइड्रेटिंग ड्रिंक भी है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अनानास और गोंधराज लेबू को छीलकर टुकड़ों में काट लें, फिर इन्हें एक जूसर में डालकर पीसें। अब जूस को बारीक छन्नी से छानकर गिलास में डालें और फिर गिलास में बर्फ के कुछ टुकड़े डालें। अंत में इस ताजी और ठंडी-ठंडी ड्रिंक का सेवन करें।

सीमाओं के बावजूद आगे बढ़ रही है आज की नारी

आज की नारी सही मायने में आत्मनिर्भर नारी है। उसने अपनी सामान्य दुर्बलताओं को दूर करके, उन्हें नजरअंदाज करके अपने आप को मजबूत करने की पुरजोर कोशिश की है। उसने अपनी एक विशेष पहचान इस समाज के सामने पेश की है जिसमें वह साहसी, परिपक्व, सहिष्णु तथा एक मजबूत इरादे रखने वाली महिला के रूप में उभर कर आई है। उसने अपनी सूझबूझ तथा समझदारी से अपनी इस पहचान के अलाव को प्रज्ज्वलित किया हुआ है। आज की नारी इन बिंदुओं पर निर्बाध रूप से आगे बढ़ रही है-आज की आधुनिक नारी अपने दोहरे रूप को भी सफलतापूर्वक अंजाम दे रही है। एक तरफ वह कॅरियर वूमन का खिताब हासिल किये है दूसरी ओर वह होममेकर का खिताब हासिल करके सुपर वूमन के रूप में भी उभर कर सामने आ रही है। - आज की आधुनिक नारी ने अपने शारीरिक गठन और बनाव-संवार पर समुचित ध्यान दिया है ताकि वह अपने पिया की प्रिया बनी रहे व ताउम्र स्वस्थ तथा चुस्त भी रहे। - आज की आधुनिक नारी ने अपनी संकीर्ण मानसिकता



को त्याग कर स्वयं में आत्मविश्वास पैदा कर लिया है। वह सहनशीलता के गुण को भी पहचान गई है। वह पति के आफिस की समस्याओं को भी बखूबी समझती है तथा उस समस्या को दूर करने में पति की हर संभव सहायता करने का प्रयास करती है। - पुस्तकें पढ़ने, नौकरी करने आदि से उसके व्यवहार, बोलचाल आदि में आश्चर्यजनक परिवर्तन आये हैं। उसकी उपलब्धियां भी बढ़ी हैं। साथ ही साथ उसमें नए-नए विषयों को जानने का उत्साह भी बढ़ा है। अब वह किसी भी समसामयिक विषय पर अपने पति के साथ या बाहर के किसी व्यक्ति के साथ सफलतापूर्वक बातें कर सकती है। इससे लोगों की नजरों के साथ-साथ पति की नजरों में भी उसका मान कई गुणा बढ़ गया है। - पति भी अपनी आधुनिक पत्नी के सुघड़, सुंदर, पढ़ी-लिखी, व्यवहार कुशल और स्वाभिमानी स्वरूप का आदर करने लगे हैं। - आधुनिक नारी यह जानती है कि प्रगतिशील पति को केवल खाना बनाने वाली, उसके पैर छूने वाली, घूंघट में छुपी पत्नी की नहीं अपितु उच्च मानसिक, बौद्धिक तथा सामाजिक स्तर वाली पत्नी की दरकार है। इसलिए वह पति की भावनाओं की कद्र करते हुए अपने को उसके अनुरूप बनाने की कोशिश करती है। आज की आधुनिक नारी ने एक खुशनुमा, समझदार पत्नी का तमगा प्राप्त कर लिया है। वह अपने दांपत्य को अपने प्यार के बल पर मजबूत करने का प्रयास करती है तथा काफी हद तक उसमें सफल भी हुई है।- आधुनिक महिलाएं ऐसे पति को तो पसंद करती हैं, जो संवेदनशील हों परंतु जो पति हमेशा मुंह लटका कर रखते हों या अति भावुक हों, उन्हें पसंद नहीं करतीं। आधुनिक नारी भावुकता तथा प्यार के बीच के अंतर को भलीभांति जान गई है। अब कोई भी पुरुष प्यार के नाम पर उसे मूर्ख नहीं बना सकता। - आधुनिक महिला अपने पति के साथ कुछ समय आराम के साथ तनाव रहित बिताना पसंद करती है। उन क्षणों को वह पूर्ण आनंद तथा प्रेम के साथ व्यतीत करती है। आधुनिक महिला सफल वैवाहिक जीवन के लिए केवल पैसे को ही महत्व नहीं देती। वह जानती है कि सबसे जरूरी चीज है पति-पत्नी का आपस का प्यार। आधुनिक महिला अपने संवैधानिक अधिकारों को अच्छी तरह से जानती है तथा अपने आसपास की महिलाओं को भी आवश्यकता पड़ने पर इस विषय में समझाती रहती है।



सौंधी मिट्टी में छुपे हैं सौंधे गुण

फ्रांस और अमेरिका में मिट्टी-स्नान बहुत पहले से ही प्रचलन में है। वहां कम से कम महीने में एक बार स्वस्थ व्यक्ति मिट्टी-स्नान आज भी लेता है। भारत में यह प्रयोग अति प्राचीनकाल से होता चला आ रहा है। पृथ्वी पंच तत्वों में पांचवां और अंतिम तत्व है। यह अन्य चार तत्वों- आकाश, वायु, अग्नि तथा जल का रस है।

एषां भूतानां पृथ्वी रस-उपनिषद :- श्रुति में पृथ्वी को अन्न भी कहा गया है। उपनिषद में वर्णन मिलता है कि आत्मा से आकाश की उत्पति हुई, आकाश से वायु की, वायु से अग्नि की, अग्नि से जल की, जल से पृथ्वी की, पृथ्वी से औषधि-वनस्पतियों की, औषधि से अन्न की और अन्न से मनुष्य की उत्पत्ति हुई है।

मिट्टी जितनी सर्वसुलभ एवं नगण्य समझी जाती है, उसके गुण-गरिमा उतनी ही महान है। इसके प्रमुख गुण निम्नानुसार हैं सब प्रकार के दुर्गंध को मिटाने में सक्षम। सर्दी व गर्मी रोकने की शक्ति। जल को निर्मल करने की अद्भुत शक्ति। बड़े से बड़े घाव (फोड़े) को पकाने व भरने की शक्ति। सांप, बिच्छू आदि के काटने पर विषादि को शोषण करने की शक्ति। खाद्य पदार्थों को उनमें भिन्न-भिन्न रसों की प्रधानता के साथ उत्पन्न करने की शक्ति।

लाइलाज नहीं है लिवर सिरोसिस

आधुनिक जीवनशैली में खानपान की गलत आदतों और अनियमित दिनचर्या की वजह से भारत में लिवर सिरोसिस की समस्या तेजी से फैल रही है।

आखिर मर्ज़ क्या है

आमतौर पर लिवर से संबंधित तीन समस्याएं सबसे ज्यादा देखने को मिलती हैं-फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और सिरोसिस। फैटी लिवर की समस्या में वसा की बूंदें लिवर में जमा होकर उसकी कार्यप्रणाली में बाधा पहुंचाती हैं। यह समस्या घी-तेल, एल्कोहॉल और रेड मीट के अधिक सेवन से हो सकती है। हेपेटाइटिस होने पर लिवर में सूजन आ जाती है। यह समस्या खानपान में संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध या ब्लड ट्रांस्फ्यूजन की वजह से होती है। सिरोसिस में लिवर से संबंधित कई समस्याओं के लक्षण एक साथ देखने को मिलते हैं। इसमें लिवर के टिशूज क्षतिग्रस्त होने लगते हैं। आमतौर पर ज्यादा एल्कोहॉल के सेवन, खानपान में वसा युक्त चीजों, नॉनवेज का अत्यधिक मात्रा में सेवन और दवाओं के साइड इफेक्ट की वजह से भी यह समस्या हो जाती है। इसके अलावा लिवर सिरोसिस का एक और प्रकार होता है, जिसे नैश सिरोसिस यानी नॉन एल्कोहोलिक सिएटो हेपेटाइटिस कहा जाता है, जो एल्कोहॉल का सेवन नहीं करने वालों को भी हो जाता है।

सिरोसिस की तीन अवस्थाएं

-सिरोसिस की इस अवस्था में अनावश्यक थकान, वजन घटना और पाचन संबंधी गडबडियां देखने को मिलती हैं।- दूसरी अवस्था में चक्कर और उल्टियां आना, भोजन में अरुचि और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। - तीसरी और अंतिम अवस्था में उल्टियों के साथ खून आना, बेहोशी और मामूली सी चोट लगने पर ब्लीडिंग का न रुकना जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। इसमें दवाओं का कोई असर नहीं होता और ट्रांस्प्लांट ही इसका एकमात्र उपचार है।

कैसे होता है लिवर ट्रांस्प्लांट इसकी सामान्य प्रक्रिया यह है कि जिस व्यक्ति को लिवर प्रत्यारोपण की जरूरत होती है उसके परिवार के किसी सदस्य (माता/पिता, पति/पत्नी के अलावा सगे भाई/बहन) द्वारा लिवर डोनेट किया जा सकता है। इसके लिए मरीज के परिजनों को स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन काम करने वाली ट्रांस्प्लांट ऑथराइजेशन कमेटी से अनुमति लेनी पडती है। यह संस्था डोनर के स्वास्थ्य, उसकी पारिवारिक और सामाजिक स्थितियों की गहन छानबीन और उससे जुडे करीबी लोगों से सहमति लेने के बाद ही उसे अंग दान की अनुमति देती है। लिवर के संबंध में सबसे अच्छी बात यह है कि अगर इसे किसी जीवित व्यक्ति के शरीर से काटकर निकाल भी दिया जाए तो समय के साथ यह विकसित होकर अपने सामान्य आकार में वापस लौट आता है। इससे डोनर के स्वास्थ्य पर भी कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। इसके अलावा अगर किसी मृत व्यक्ति के परिवार वाले उसके देहदान की इजाजत दें तो उसके निधन के छह घंटे के भीतर उसके शरीर से लिवर निकाल कर उसका सफल प्रत्यारोपण किया जा सकता है। इसमें मरीज के लिवर के खराब हो चुके हिस्से को सर्जरी द्वारा हटाकर वहां डोनर के शरीर से स्वस्थ लिवर निकालकर स्टिचिंग के जरिये प्रत्यारोपित किया जाता है। इसके लिए बेहद बारीक कस्म के धागे का इस्तेमाल होता है, जिसे प्रोलिन कहा जाता है। लंबे समय के बाद ये धागे शरीर के भीतर घुल कर नष्ट हो जाते हैं और इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। ट्रांस्प्लांट के बाद मरीज का शरीर नए लिवर को स्वीकार नहीं पाता, इसलिए उसे टैक्रोलिनस ग्रुप की दवाएं दी जाती हैं, ताकि मरीज के शरीर के साथ प्रत्यारोपित लिवर अच्छी तरह एडजस्ट कर जाए। सर्जरी के बाद मरीज को साल में एक बार लिवर फंक्शन टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। मनोज गौड मुंबई स्थित एक मल्टी नेशनल कंपनी में आईटी मैनेजर हैं। दिसंबर 2011 में दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल में उनके लिवर का सफल प्रत्यारोपण किया गया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं, पर लिवर सिरोसिस से लडना कोई आसान काम नहीं था। इस लडाई में उनकी पत्नी भारती गौड ने हर कदम पर उनका साथ दिया। यहां वह खुद बयां कर रही हैं, अपने संघर्ष की कहानी..जब मुझे पहली बार यह मालूम हुआ कि मेरे पति को लिवर सिरोसिस है तो मुझे डॉक्टर की बातों पर यकीन नहीं हुआ क्योंकि मेरे पति एल्कोहॉल को हाथ भी नहीं लगाते। तब डॉक्टर ने हमें यह बताया कि कुछ विशेष परिस्थितियों में शराब नहीं पीने वाले लोगों को भी लिवर सिरोसिस की समस्या हो जाती है। मुंबई में डॉ. अनिल सूचक हमारे फेमिली फ्रेंड हैं, उन्होंने हमें बताया कि मनोज का लिवर सिरोसिस ऐसी अवस्था में है कि उनके इलाज में जरा भी देर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हमें दिल्ली में अपने परिचित डॉ. सुभाष गुप्ता के पास जाने की सलाह दी।



बचपन को थोड़ा बेफिक्र बनाना होगा

बच्चों की जिंदगी जितनी हसीन लगती है, उतनी है नहीं। यह यूटोपिया की तरह है, दूर से सुहानी दिखती है। वे होमवर्क, पेरेंट्स और स्कूल के दबाव में दबे रहते हैं। बच्चों का भविष्य काफी हद तक पेरेंट्स पर निर्भर होता है। उन्हें पंद्रह वर्ष की उम्र तक सबसे ज्यादा अटेंशन की जरूरत होती है। यह न मिलने पर वे अकेले समस्याओं से जूझते हैं और अवसादग्रस्त हो जाते हैं। कामकाजी माता-पिता, संयुक्त परिवारों का बिखरना, सिंगल पेरेंटिंग से मिले अकेलेपन ने उन्हें टीवी-इंटरनेट की दुनिया की ओर धकेल दिया है। बच्चों के ब्रेन को हमेशा एक्साइटमेंट चाहिए। उनकी खुशी-उनके इमोशंस हमेशा जाग्रत अवस्था में रहते हैं।

दुर्भाग्य से व्यस्त पेरेंट्स बच्चों को पैसे देते हैं, हर जरूरत पूरी करते हैं, लेकिन समय नहीं दे पाते। अतिरिक्त व्यस्तता उनमें अपराध-बोध को जन्म देती है और इसकी भरपाई के लिए वे दूसरी गलती यह करते हैं कि बच्चों की नाजायज मांगें पूरी करते हैं। पहले समझौते करते हैं, बाद में पछताते हैं। दूसरी ओर स्कूल में होमवर्क, परीक्षाओं, प्रोजेक्ट वर्क का इतना दबाव है कि उनके पास आउटडोर गेम्स के लिए समय ही नहीं। जो एकाध घंटे बचते हैं, टीवी की भेंट चढ जाते हैं। मेरे एक संबंधी का इकलौता नौ वर्षीय बेटा अवसादग्रस्त हो गया। माता-पिता नौकरी के सिलसिले में भारत से गल्फ चले गए तो बच्चा वहां एडजस्ट नहीं कर सका। बच्चों को स्नेह से सींचने की जरूरत होती है। उनमें अपार क्षमताएं हैं।

संपादकीय

इंटरनेट बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं

अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि बच्चों को भी बालिगों की तरह इंटरनेट के उपयोग का अधिकार है। 'सुरक्षा' के नाम पर इंटरनेट तक उनकी पहुंच रोकी नहीं जा सकती। इस रूप में कोर्ट ने आधुनिक जीवन में इंटरनेट के महत्त्व को रेखांकित किया है। यह सराहनीय है कि कोर्ट ने प्रतिबंध ही सुरक्षा है, जैसी प्रशासनिक सोच को खारिज कर दिया। दरअसल, बच्चों को साइबरस्पेस से बाहर निकालना पीड़ित को ही समस्या मान लेने जैसा है। उचित ही न्यायालय ने इस नजरिए को ठुकरा दिया। इसके बावजूद इस फैसले में कई समस्याएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खुद अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है।

यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। यानी सेवा प्रदाता प्लेटफॉर्म कंपनियों को जवाबदेही से पूरी तरह मुक्त कर दिया। कोर्ट ने इन कंपनियों से बाल यौन शोषण सामग्री हटाने को कहा तो है, लेकिन उनके अनिवार्य तकनीकी ऑडिट और सजा का कोई प्रावधान नहीं किया। अदालत की यह राय वाजिब है कि दूरदराज के इलाकों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पास अक्सर सीखने और दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम इंटरनेट ही होता है। लेकिन ऐसी स्थिति में प्लेटफॉर्म कंपनियों की जवाबदेही तय करने का सिस्टम और जरूरी हो जाता है। गरीब परिवारों में माता-पिता अक्सर डिजिटल साक्षर नहीं होते।

उनके बच्चे सस्ते स्मार्टफोन के जरिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं। डिवाइस सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, और सामग्री फिल्टरिंग के अभाव में इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार किस हद तक सशक्तीकरण है, यह सवाल बना रहेगा। वैसे भारत में व्यापक दायरे में भी अधिकार और उसके उपभोग की स्थितियों ने एक विरोधाभास खड़ा कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट पहले निर्णय दे चुका है कि बार-बार इंटरनेट शट-डाइन नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन इससे शटडाउन पर रोक नहीं लगी है। भारत सबसे ज्यादा ऐसा शट-डाउन करने वाला देश बना हुआ है। इसीलिए अधिकार की हर न्यायिक घोषणा के व्यावहारिक महत व पर अक्सर नया सवाल उठ खड़ा होता है।

भूटान की ग्लेशियर झील फटने से भारत में बाढ़ का खतरा, उत्तर बंगाल और असम में अलर्ट

भूटान की हिमालयी पहाड़ियों में हुई एक प्राकृतिक घटना ने भारत के पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में चिंता बढ़ा दी है। भूटान की शिंताफू हिमनद झील का प्राकृतिक बांध टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकल गया। इसके बाद नदी के रास्ते पानी भारत की ओर बढ़ने लगा। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए पश्चिम बंगाल और असम के कई जिलों में प्रशासन को सतर्क कर दिया गया। संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और राष्ट्रीय तथा राज्य आपदा मोचन बल की टीमों को तैनात किया गया। फिलहाल संकोश नदी के जलस्तर में गिरावट के संकेत मिले हैं, लेकिन पानी और मलबे के बहाव से एक नई अस्थायी झील बनने के कारण खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।



हिमालय की ऊंची चोटियों पर जमा बर्फ और हिमनदों में होने वाली हलचल का असर केवल पहाड़ी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता। कई बार इनके टूटने या पिघलने से निकलने वाला पानी हजारों फीट नीचे बसे गांवों, कस्बों और शहरों के लिए बड़ा खतरा बन जाता है। भूटान में 29 अक्टूबर 2026 को हुई हिमनद झील के अचानक फटने की घटना ने एक बार फिर इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया है। इस घटना ने भारत की सीमा पार आपदा प्रबंधन व्यवस्था और बाढ़ से निपटने की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील का बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी बाहर निकल गया। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और कूचबिहार तथा असम के धुबरी और कोकराझार जिलों में संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी। केंद्रीय जल आयोग ने भी नदी के जलस्तर में संभावित वृद्धि को देखते हुए विशेष बाढ़ परामर्श जारी किया। अधिकारियों और संबंधित संस्थानों की ओर से नदी के जलस्तर तथा पानी के बहाव पर नजर रखी गई। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। इस दौरान बचाव और राहत दलों को भी तैयार रखा गया, ताकि पानी का स्तर बढ़ने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार, घटना से पहले शिंताफू झील में लगभग 60 से 70 लाख घन मीटर पानी जमा था। पानी की यह मात्रा करीब 2,400 से 2,800 ओलंपिक आकार के तैराकी तालाबों के बराबर बताई गई है। हालांकि, प्राकृतिक बांध टूटने के बाद वास्तव में कितना पानी बाहर निकला, इसका आकलन किया जा रहा है। झील से निकला पानी भूटान की मो छू नदी और आगे पुनात्सांगछू नदी तंत्र से होते हुए भारत की संकोश नदी की ओर बढ़ा। संकोश नदी पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पानी को भारत की सीमा तक पहुंचने में लगभग छह से आठ घंटे लगने की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से भारतीय प्रशासन ने संभावित खतरे को देखते हुए पहले से ही निगरानी और बचाव की तैयारियां शुरू कर दी थीं।

संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 6,000 से 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें नदी के किनारे और बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील इलाकों में रहने वाले परिवार शामिल थे। प्रशासन की ओर से राहत शिविरों में चार हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन, राशन, बच्चों के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री और दूसरी जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। जलपाईगुड़ी और कूचबिहार जिलों में भी निगरानी बढ़ाई गई। प्रशासन ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से लोगों को नदी के किनारों और निचले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल और नागरिक सुरक्षा की टीमों को भी तैनात किया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया जा सके।

भूटान से निकलने वाले पानी का असर असम के सीमावर्ती इलाकों में भी पड़ने की आशंका थी। इसे देखते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने धुबरी और कोकराझार के संवेदनशील राजस्व क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के साथ समन्वय बनाए रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने लोगों से प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और संभावित खतरे वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की। प्रशासन को किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया। इस दौरान नदी के जलस्तर, पानी के बहाव और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति पर निगरानी रखी गई।

ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, संकोश नदी का जलस्तर घटने लगा है। कोकराझार के जिला प्रशासन ने भी तत्काल बड़े पैमाने पर जलभराव की आशंका कम होने की बात कही है। पश्चिम बंगाल में फिलहाल बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि, इस घटना के बाद भूटान में एक नई अस्थायी झील बनने की जानकारी सामने आई है, जिसने संभावित खतरे को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पानी और मलबे के तेज बहाव के कारण टाक्त्सेमाखांग क्षेत्र में एक नई झील बन गई है। यह झील सिंताफू छू और लुंगू छू नदियों के संगम के पास स्थित है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह बनने वाली अस्थायी झीलें भविष्य में दोबारा बाढ़ का कारण बन सकती हैं।

दरअसल, तेज बहाव के साथ आने वाले पत्थर, चट्टानें और मिट्टी नदी के रास्ते में जमा हो सकते हैं। इससे पानी का प्राकृतिक प्रवाह रुक जाता है और एक अस्थायी जलाशय बन सकता है। यदि इस जलाशय में पानी की मात्रा बढ़ती रहती है और प्राकृतिक अवरोध पर दबाव बढ़ जाता है, तो उसके अचानक टूटने की आशंका पैदा हो सकती है। ऐसी स्थिति में फिर से भारी मात्रा में पानी नीचे की ओर बह सकता है। इसी खतरे को देखते हुए भूटान में मो छू और पुनात्सांगछू नदी घाटियों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद झीलों के अचानक फटने की घटनाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन और तेजी से पिघलते हिमनदों को प्रमुख कारण माना जाता है। तापमान बढ़ने के कारण हिमनद पीछे हट रहे हैं। इनके पीछे हटने से पहाड़ों के बीच बड़े-बड़े गड्ढों और घाटियों में पानी जमा होने लगता है, जिससे नई झीलों का निर्माण होता है।

इन झीलों में जमा पानी कई बार बर्फ, चट्टानों और हिमनदों से निकले मलबे से बने प्राकृतिक बांधों के पीछे रुका रहता है। ये प्राकृतिक अवरोध हमेशा मजबूत नहीं होते। भारी बारिश, हिमस्खलन, चट्टानों का झील में गिरना, भूकंप और प्राकृतिक बांधों का कमजोर होना अचानक पानी के बाहर निकलने की वजह बन सकते हैं।

इस घटना को हिमनद झील के अचानक फटने से आने वाली बाढ़ कहा जाता है। ऐसी बाढ़ सामान्य नदी की बाढ़ से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें केवल पानी ही नहीं, बल्कि भारी मात्रा में पत्थर, मिट्टी, चट्टानें और अन्य मलबा भी तेजी से नीचे की ओर आता है। इससे रास्ते में आने वाली बस्तियों, सड़कों, पुलों और दूसरी संरचनाओं को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है।

भूटान में हुई यह घटना भारत के लिए केवल एक सीमावर्ती बाढ़ का मामला नहीं है, बल्कि हिमालयी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की तैयारियों की भी परीक्षा है। भारत सरकार ने सितंबर 2026 में हिमालयी राज्यों की हिमनद झीलों के अचानक फटने और हिमस्खलन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की थी। इस दौरान शुरुआती चेतावनी प्रणाली, संवेदनशील झीलों की निगरानी, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने जैसे विषयों पर जोर दिया गया था। इसके बावजूद इस घटना ने कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत और भूटान के बीच हिमनद झीलों के जलस्तर और संभावित खतरों की जानकारी वास्तविक समय में साझा करने की व्यवस्था पर्याप्त है? क्या असम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर बंगाल के सभी संवेदनशील नदी किनारे बसे गांवों तक समय रहते चेतावनी पहुंचाने का प्रभावी तंत्र मौजूद है? इसके अलावा नदियों पर बने बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं की अचानक आने वाली बाढ़ से निपटने की क्षमता का नियमित परीक्षण भी जरूरी है। यह भी देखना होगा कि प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित आश्रय स्थल, लोगों को बाहर निकालने के रास्ते और प्रशिक्षित बचाव दल पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं या नहीं। नई अस्थायी झील की लगातार निगरानी और उसके संभावित रूप से टूटने की स्थिति में दूसरी चेतावनी जारी करने की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा किसी देश की सीमा तक सीमित नहीं रहता। भूटान की पहाड़ियों में होने वाली हलचल का असर भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी दिखाई दे सकता है।

अमेरिका व उसके मित्र देशों की आंतरिक तैयारियां देख किसी बाहरी खतरे का हो रहा स्पष्ट आभास?

सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक बादशाहत बनाए रखने के लिए पूरी दुनिया को तृतीय विश्व युद्ध की आग में झोंकने वाला है! चाहे तेल का खेल हो या फिर मज़बूत सरकारों को अस्थिर करने का षड्यंत्र- अमेरिकी रणनीति हर मोर्चे पर पिटती हुई प्रतीत हुई। इसी की खीझ में अब वह खाड़ी और मध्य-पूर्व देशों, यूरोप और भारतीय उपमहाद्वीप में कुछ नया गुल खिलाने वाला है क्योंकि उसके 'पालतू कुत्तों' के पांव भी अब जमीन पर नहीं पड़ रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों का कहना है कि रूस, चीन, भारत, ईरान, ब्राजील, अफगानिस्तान के खिलाफ वह ऐसा युद्ध छेड़ना चाहता है, ताकि इनकी आर्थिक कमर टूट जाए और जी-7 देशों की बादशाहत पूरी दुनिया पर बनी रहे। शायद इसलिए वह कुछ बड़ा करने वाला है और 90 दिन के लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपनी तैयारियां पुख्ता कर रहा है। इस बात की चुगली पूरी दुनिया की वह गिनी चुनी सरकारें कर रही हैं, जो ऐसी चेतावनियाँ दे रही हैं, जैसी शायद आखिरी बार दूसरे विश्व युद्ध से पहले देखने को मिली थीं। जहां एक तरफ अमेरिका का पेंटागन अपने सभी मिलिट्री बेस को 'ऑपरेशन फोर्ट्रेस' के तहत तैयार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिकी सैन्य ठिकानों को इस तरह तैयार किया जाएगा कि वे बाहर से खाना, पानी या किसी भी तरह की सप्लाई मिले बिना पूरे 90 दिनों तक अपना काम चला सकें।

वहीं दूसरी तरफ, यूरोपीय देशों ब्रिटेन, नीदरलैंड और फ्रांस एवं एशियाई देश जापान ने अपने नागरिकों से कह दिया है कि वे कम से कम 72 घंटे तक काम आने वाला इमरजेंसी सामान अपने घर में जमा करके रखें। इसमें खाने-पीने की चीजें, पानी, दवाइयाँ और यहाँ तक कि नकद पैसे भी शामिल हैं, ताकि अगर



बिजली, पानी और दूसरी जरूरी सुविधाएँ बंद हो जाएँ, तो लोग बिना किसी बाहरी मदद के कम से कम 72 घंटे तक अपना काम चला सकें। भले ही सरकारें इसकी आधिकारिक वजह खराब मौसम, एल नीनो, बिजली गुल होने और साइबर अटैक जैसी स्थितियों को बता रही हैं, लेकिन सर्वाधिक ध्यान देने वाली बात ये है कि कोई भी खुलकर 'युद्ध' शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। अब सवाल ये है कि आखिर अचानक दुनिया भर में ऐसी तैयारियाँ क्यों हो रही हैं? और अमेरिकी-यूरोपीय टारगेट पर आने वाले देश क्या तैयारियां कर रहे हैं? इसके पीछे सिर्फ दो संभावनाएँ हैं। पहली, ये सारी तैयारियाँ सिर्फ सुरक्षा के लिए की जा रही हैं और इनका किसी असली खतरे से कोई लेना-देना नहीं है। दूसरी, दुनिया की ये सारी सरकारें कुछ ऐसा जानती हैं, जिसके बारे में वे अभी हमें बता नहीं सकतीं या जानबूझकर बता नहीं रही हैं। और अगर दूसरी बात सही है, तो आखिर वो क्या है?

सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं। इसलिए पहले मैं ईरान की बात करता हूँ। अगर इस बार दोबारा युद्ध शुरू होता है, तो इसकी शुरुआत सबसे ज्यादा संभावना के साथ बाब अल-मंदेब के पास हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच टकराव से हो सकती है। इसका मतलब ये है कि तेल की सप्लाई पर खतरा सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बाब अल-मंदेब के रास्ते पर भी बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। और धीरे-धीरे ये संकट स्वेज नहर तक फैल सकता है।

आपको बता दूँ कि स्वेज नहर दुनिया के व्यापार का एक बेहद अहम रास्ता है। दावा है कि दुनिया का लगभग 25% व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है। अगर ये रास्ता बंद हो गया, तो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के रास्ते लगभग कटकर रह जाएँगे। दुनिया भर में सामान पहुँचाने में भारी रुकावट आएगी और तेल की सप्लाई पर भी बहुत बड़ा असर पड़ सकता है। और ये सब उस समय हो रहा है, जब अमेरिका का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर 'थियोडोर रूजवेल्ट' मिडिल ईस्ट पहुँचने वाला है। इतना ही नहीं, अमेरिका ने अपने दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को भी मिडिल ईस्ट से निकलने के लिए कहा है। यानी अमेरिका वही तैयारियाँ दोबारा करता हुआ दिखाई दे रहा है, जैसी उसने इस साल 28 फरवरी को हुए हमले से पहले की थीं। और अब यूरोप की तरफ आइए। ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि अमेरिका यूरोप में तैनात अपने नाटो सैनिकों में से लगभग एक-तिहाई सैनिकों को वापस बुला सकता है। इससे पहले अमेरिका दक्षिण कोरिया से अपना थाड (ञ्ज।ष्ठ) एयर डिफेंस सिस्टम भी हटा चुका है। अब इस बात को समझिए कि दक्षिण कोरिया से थाड हटने के बाद उत्तर कोरिया से आने वाले संभावित मिसाइल हमलों से बचाव की उसकी क्षमता प्रभावित हो सकती है। ठीक उसी तरह, अगर अमेरिका यूरोप से अपने सैनिकों को वापस बुला लेता है, तो रूस के सामने यूरोप की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है।

रोजाना एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे? ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए अपनाएं ये तरीके

ब्लड शुगर का असंतुलित स्तर मधुमेह का कारण बन सकता है, जो एक गंभीर बीमारी है। अगर आप रोजाना एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं तो इस स्थिति में आपका खान-पान काफी हद तक आपकी मदद कर सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं और मधुमेह के जोखिम को कम कर सकते हैं।

डार्क चॉकलेट में मौजूद विशेष तत्व ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त डार्क चॉकलेट का सेवन इंसुलिन की क्षमता को सुधार सकता है। यह मधुमेह के लक्षणों को कम करने और हानिकारक तत्वों को कम करने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए 70 प्रतिशत कोको युक्त डार्क चॉकलेट का सेवन करें। चॉकलेट का सेवन संतुलित मात्रा में करें।

दालचीनी भी है लाभदायक

दालचीनी एक ऐसा मसाला है, जो ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यह शरीर में इंसुलिन के प्रभाव को बढ़ाकर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त दालचीनी में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। दालचीनी का उपयोग अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल कर सकते हैं।

एवोकाडो में ऐसे तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद खास तत्व मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक एवोकाडो खाएं या फिर इसे अपनी किसी भी व्यंजन का हिस्सा बना सकते हैं। एवोकाडो के सेवन से आपको अन्य कई फायदे भी मिल सकते हैं। नींबू पानी में विटामिन-सी, विशेष तत्व और खनिज होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू पानी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने, शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकालने और वजन नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े। दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की।



शाहरुख खान का 61वां जन्मदिन मन्नत के बाहर आधी रात से जुटे फैंस

अभिनेता शाहरुख खान आज 61 वर्ष के हो गए हैं। उनका जन्मदिन का मौका प्रशंसकों के लिए किसी उत्सव सरीखा होता है। इस दिन दूर-दराज से लोग अपने चहेते अभिनेता की एक झलक देखने के लिए मायनगरी पहुंचते हैं। इस बार भी शाहरुख खान के जन्मदिन पर आधी रात से ही फैंस उनके मुंबई स्थित घर मन्नत के बाहर जुटने लगे। मुंबई पुलिस ने भी सुरक्षा बढ़ा दी है।

मन्नत के बाहर पुलिसकर्मी तैनात

सोमवार को अभिनेता शाहरुख खान के बर्थडे सेलिब्रेशन से पहले उनके घर 'मन्नत' के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस खास दिन पर एक्टर की एक झलक पाने के लिए फैंस भी उनके घर के बाहर जमा हो गए हैं। मुंबई पुलिस के जवान शाहरुख के घर के बाहर तैनात हैं। सोमवार सुबह जब फैंस मन्नत के बाहर पहुंचे तो पुलिसकर्मियों को कारों की चेकिंग करते और भीड़ को कंट्रोल में रखते देखा गया।

घर की बालकनी से फैंस का अभिवादन करते हैं शाहरुख

हर साल सुपरस्टार शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई देने और उनकी एक झलक पाने के लिए फैंस मन्नत के बाहर जमा होते हैं। एक्टर अक्सर इस मौके को और भी खास बना देते हैं। वे अपने घर की बालकनी में आकर फैंस का अभिवादन करते हैं।

'किंग' का पहला गाना हुआ रिलीज

जन्मदिन के मौके पर शाहरुख खान के फैंस को तोहफा मिला है। उनकी आगामी फिल्म 'किंग' का पहला गाना 'तू मिल जाए' कल आधी रात को मेकर्स ने जारी किया। गाने में शाहरुख खान एक एक्शन हीरो और लवर के तौर पर नजर आ रहे हैं। इसमें शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण भी हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री एक बार फिर देखने को मिली है। बता दें कि 'किंग' के जरिए फिल्म 'डंकी' के तीन साल बाद शाहरुख खान बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कैसे बॉलीवुड के किंग बने शाहरुख?

शाहरुख खान ने अपनी फिल्मों से सभी को अपना दीवाना बनाया है। आज वे अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर जानिए उनसे जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें, जो उन्हें बॉलीवुड का बादशाह बनाता है।

शाहरुख खान के यादगार किरदार

बॉलीवुड में कई सितारे आए और गए, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे हैं जिन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। शाहरुख खान भी उन्हीं में से एक हैं। रोमांस हो, एक्शन हो या फिर नेगेटिव किरदार, उन्होंने हर तरह के रोल से दर्शकों का दिल जीता है। यही वजह है कि उन्हें बॉलीवुड का 'किंग खान' कहा जाता है। शाहरुख ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में की हैं, जिनके किरदार आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। करियर के शुरुआत में शाहरुख ने 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में नैगेटिव किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। इसके बाद उन्होंने 'कुछ कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' में रोमांटिक फिल्मों से लोगों को अपना दीवाना बनाया। इसके बाद अब वे 'पठान', 'जवान' और 'रईस' जैसी फिल्मों में एक्शन अवतार में नजर आए। इस तरह शाहरुख ने अपने करियर में हर तरह के किरदार किए और वो लोगों के दिलों में भी जगह बना गए।

करोड़ों के मालिक हैं शाहरुख

शाहरुख खान सिर्फ बॉलीवुड के सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि एक सफल बिजनेसमैन भी हैं। उनकी कमाई का जरिया सिर्फ फिल्में नहीं हैं। वह विज्ञापनों, प्रोडक्शन हाउस और क्रिकेट टीम से भी अच्छी कमाई करते हैं।हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, शाहरुख खान की अनुमानित नेटवर्थ करीब 10,000 करोड़ रुपये है। इस आंकड़े में उनकी फिल्मों से होने वाली कमाई के साथ रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स जैसे बिजनेस भी शामिल हैं। इस लिस्ट के मुताबिक वह भारत के सबसे अमीर अभिनेता हैं। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान भी उनके बिजनेस में अहम भूमिका निभाती हैं। दोनों मिलकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट चलाते हैं। इसके अलावा शाहरुख आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक भी हैं।

सिर्फ 'रामायण' ही नहीं ये भी हैं विकल्प जानिए इस हफ्ते रिलीज होंगी कौन सी फिल्में



भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नवंबर की शुरुआत काफी शानदार रहने वाली है। एक तरफ जहां कुछ दिलचस्प फिल्में सिनेमाघरों में कदम रखेगी, वहीं दूसरी तरफ भारतीय सिनेमा की अभी तक की सबसे महंगी फिल्म भी इसी महीने रिलीज होनी है। तो चलिए जानते हैं इन फिल्मों की रिलीज डेट और इनकी कहानियों के बारे में थोड़ा सा हिंट। ताकि आप इस हफ्ते की प्लानिंग करते हुए बेस्ट मूवी और बेस्ट स्लॉट बुक कर सकें। शुरुआत उस फिल्म के साथ करते हैं, जिसका इंतजार देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर की जनता कर रही है। अनाउंसमेंट के वक्त से ही सुर्खियों में बनी हुई नमित मल्होत्रा की रामायण 5 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है। रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर यह फिल्म 'रामायण' की कहानी को बहुत एपिक अवतार में बड़े पर्दे पर पेश करेगी। ट्रेलर से लेकर गानों तक लोगों के दिलों को छू गए हैं और अब बड़ी बेसब्री से लोग इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। यूं तो 'रामायण' इतनी बड़ी फिल्म है कि उसके आसपास कोई फिल्म रिलीज हो नहीं रही। लेकिन कुछ फिल्में हैं जो आपको इसके साथ भी बतौर ऑप्शन मिलेंगी। अगर आपको साउथ की फिल्में और उनका लार्जर दैन लाइफ एक्शन पसंद है, तो 6 नवंबर को फिल्म 'सीन' रिलीज होने जा रही है। यह एक एक्शन कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है। कहानी की बात करें तो जब एक रेबेल पुलिस ऑफिसर अपने पुराने अधूरे केस को दोबारा खोलता है, तो यह सिंपल सा दिखने वाला केस एक डार्क ह्यूमर, स्टाइलिश एक्शन और जबरदस्त एक्शन ले आता है। अगर आपको एनिमेशन फिल्में पसंद हैं, या फिर फैमिली के साथ कोई मूवी देखने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए यह ऑप्शन बेहतर रहेगा। यह फिल्म लेखक डॉ. सीस की साल 1957 में आई लोकप्रिय किड्स बुक पर बेस्ड एक एनिमेटेड एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है। कहानी एक सीक्रेट ऑर्गनाइजेशन में काम करने वाली कैट की है। जब उसके 2 भाई नए शहर में तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहे हैं, तभी अपनी जादुई शरारतों से एक कैट उनकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है। यह फिल्म भी 6 नवंबर को रिलीज होगी।

बिग बॉस 20 : बेघर हुए आसिफ तो फूट-फूटकर रोए यंग



माही-कनिका के बीच हुई बहस

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का दर्शकों के बीच अच्छा खासा बज देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे गेम आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्रतियोगियों के बीच इक्वेशन भी बदलते नजर आ रहे हैं। रविवार को भी शो में जमकर बवाल देखने को मिला।

शो 'बिग बॉस 20' से आसिफ खान बेघर हो गए हैं। दरअसल, आसिफ और स्काउट के पास केवल एक ही लाइफलाइन बची थी। इसके बाद ये असमंजस था कि दोनों में से कौन सा कंटेस्टेंट घर से बाहर जाएगा।

ये भी साफ हो गया और आसिफ को घर से जाना पड़ा। घर से बेघर होने पर आसिफ और घरवाले भी बेहद भावुक हुए। उनके जाने पर यंग और स्काउट फूट-फूटकर रोते नजर आए। जाने से पहले आसिफ ने आखिरी बार बीबी न्यूज रिपोर्टिंग भी की। इसके बाद वह स्काउट और यंग से गले लगकर भावुक भी हुए। बाकी घरवाले भी आसिफ के जाने से दुखी नजर आए।

घर में कुछ देर के लिए एल्विश यादव भी आए। उन्होंने कंटेस्टेंट्स से खूब बातचीत की और लव के साथ फ्लर्ट भी करते नजर आए। इसके अलावा एल्विश ने घरवालों के साथ कुछ गेम्स भी खेले। गेम्स के दौरान उन्होंने लव के साथ खूब मस्ती की और इस बीच लव का नाम लेकर सलमान और एल्विश स्काउट की टांग खींचते नजर आए। शो में एक टास्क हुआ, जिसमें घरवालों को बताना था कि किसे किसका रिश्ता सबसे फैक लगता है। इस पर माही ने कनिका और गुल्लू का नाम लिया। माही के इस जवाब पर कनिका भड़क गईं और माही से भिड़ने लगीं। कनिका ने कहा कि उन्हें इस घर में माही ही फैक लगती हैं। इस दौरान दोनों के बीच जमकर बहस देखने को मिली।

'यह मेरे लिए काला दशक है', भतीजे की मौत के बाद हनी सिंह और गिप्पी ग्रेवाल ने लिखी पोस्ट



म्यूजिशियन/रैपर हनी सिंह के भतीजे की सड़क हादसे में मौत हो गई है। हनी सिंह ने खुद इंस्टा स्टोरी पर इस खबर को कन्फर्म किया है। हनी सिंह ने एक छोटी सी इंस्टा स्टोरी में अपने इमोशन्स जाहिर करते हुए बताया कि इस घटना के किस कदर उन्हें झंकझोर कर रख दिया है। हनी सिंह ने इंस्टा स्टोरी में लिखा- यह मेरे लिए एक काला दशक है। मेरा भतीजा मुझसे दूर हो गया। यह तकलीफों का पहाड़ टूटने जैसा है। भोले नाथ.. मेहर.. मेहर... मेहर। मालूम हो कि हनी सिंह के भतीजे औलक एक बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे जब पंजाब के जालंधर में उनका रोड एक्सीडेंट हो गया।

हनी सिंह ने बताया दिल का हाल

हनी सिंह के भतीजे के साथ गाड़ी में उनके दो दोस्त भी थे। यह हादसा पुलिस लाइंस इलाके के पास एक फ्लाईओवर पर हुआ। औलक एक पंजाबी म्यूजिक कंपनी 'स्पीड रिकॉर्ड्स' के मालिक दिनेश के बेटे थे। उनके साथ गाड़ी में मौजूद अन्य 2 लड़कों में एक की पहचान पैपी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवार के तौर में हुई है।

गिप्पी ग्रेवाल ने भी किया पोस्ट

हनी सिंह की पोस्ट के बाद पंजाबी एक्टर-सिंगर गिप्पी ग्रेवाल ने भी इस घटना पर शोक प्रकट किया है और एक सोशल मीडिया पोस्ट करके परिवार को सांत्वना दी है। औलक की मौत की खबर पर रिएक्शन देते हुए गिप्पी ग्रेवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मेरे प्यारे भतीजे विदित औलक के दुखद गुजर जाने की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। उनकी अचानक हुई मौत की तकलीफ को बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वाहेगुरु आपकी आत्मा को शांति दें और दिनेश भाजी और पूरे औलक परिवार को यह दुख सहने की ताकत और हिम्मत दें।'

संजय गुप्ता: 'मैं गहरे सदमे में हूं', निर्देशक के निधन से टूटे रोहित रॉय; विवेक ओबेरॉय ने कही भावुक बात

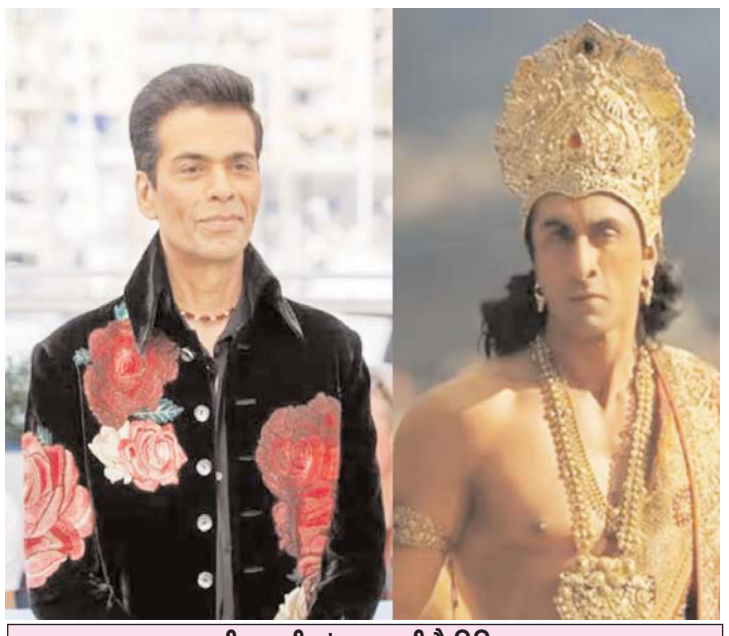


बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय गुप्ता का शनिवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। संजय गुप्ता के निधन के बाद कई सितारों ने उनके लिए भावुक नोट लिखा। विवेक ओबेरॉय ने भी संजय गुप्ता के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'संजय गुप्ता के अचानक और असमय निधन की खबर सुनकर मैं गहरे सदमे में हूं और मेरा दिल टूट गया है। यह नुकसान ऐसा है, जिसकी कल्पना करना भी मुश्किल है और इस खबर को स्वीकार करना मेरे लिए बहुत कठिन है। उन्होंने आगे लिखा, 'हमने साथ काम किया था, इसलिए यह खबर मेरे लिए बेहद निजी है। उस इंसान को खोना कभी आसान नहीं होता, जिसके साथ आपने सफर तय किया हो, बातें की हों और कई यादें शेयर की हों। कुछ खबरें ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनकर इंसान सुन्न पड़ जाता है और यह उन्हीं में से एक है। विवेक ने आगे कहा, 'हमने साथ काम करते हुए जो वक्त बिताया, उसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। संजय, आपकी कमी हमेशा खलेगी। आपके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी दिल से संवेदनाएं। भगवान उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की ताकत दें। आपकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।'

'करण जौहर ने 'रामायण' के बारे में लिखी यह बात

रिलीज से पहले बढ़ाया फैंस का एक्साइटमेंट

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' सिनेमाघरों में 5 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को देशभर में कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है और अन्य देशों में भी इसकी रिलीज की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन का डिस्ट्रिब्यूशन राइट धर्मा प्रोडक्शन ने 250 करोड़ रुपये में खरीदा हुआ है और करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शन इसे देशभर के हिंदी-भाषियों तक पहुंचाएगा। रविवार रात करण जौहर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर कुछ ऐसा लिखा, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। करण जौहर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, 'दिमाग घूम गया है। अब और कुछ नहीं कह पाऊंगा। बस इतना ही कह सकता हूं कि यह बहुत अतुल्य और बहुत-बहुत हैप्पी दिवाली रहने वाली है।' लोग करण जौहर की इस पोस्ट को फिल्म रामायण के साथ जोड़कर देख रहे हैं, जिसके डिस्ट्रिब्यूशन राइट्स करण जौहर ने खरीद रखे हैं। बता दें कि हाल ही में फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर लॉस एंजेलिस में रखा गया था। इस प्रीमियर में दुनिया भर के लोग पहुंचे थे और हॉलीवुड सेलेब्रिटीज ने भी फिल्म की तारीफ की थी। अगर करण जौहर की यह इंस्टा स्टोरी नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर है, तो जाहिर है कि उन्हें यह फिल्म बहुत पसंद आई है, और अब उनसे दर्शकों तक इसके पहुंचने का इंतजार नहीं हो रहा। मालूम हो कि सिर्फ भारत में रामायण को हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज किया जा रहा है।



बाहुबली का भी संभाल चुकी है डिस्ट्रिब्यूशन

तमिल वर्जन का डिस्ट्रिब्यूशन थिंक स्टूडियोज ने संभाला हुआ है तो कन्नड़ वर्जन का डिस्ट्रिब्यूशन साउथ के सुपरस्टार एक्टर यश के हाथों में है। फिल्म के पहले पार्ट को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है, और पार्ट-2 की रिलीज के लिए दर्शकों से अभी से इंतजार नहीं हो रहा। बता दें कि करण जौहर और उनकी कंपनी इस फिल्म की प्रोड्यूसर नहीं हैं, बल्कि वो इसके डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर जुड़े हैं। इससे पहले भी धर्मा प्रोडक्शन्स ने 'बाहुबली' जैसी बड़ी फिल्म के हिंदी वर्जन को डिस्ट्रीब्यूट किया था।

रात में आए दौरे, सुबह 4:30 बजे मां उठाने गई तब पता चला, नहीं रहे 30 साल के अनुज ठाकुर



टीवी इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। 'बंधन साथ जनमों का' और 'धूम मचाओ धूम' जैसे पॉपुलर टीवी शोज में काम करने वाले अभिनेता अनुज ठाकुर का महज 30 साल की उम्र में निधन हो गया है। इस बात की पुष्टि अनुज के करीबी दोस्त और कास्टिंग डायरेक्टर रूपेश सोनार ने की है।

रूपेश और अनुज की मुलाकात 'बंधन साथ जनमों का' के सेट पर हुई थी। दोनों एक-दूसरे को 18 साल से जानते थे। रूपेश, अनुज को अपने छोटे भाई की तरह मानते थे। रूपेश ने बताया कि मौत से महज 10 दिन पहले उनकी अनुज से मुलाकात हुई थी। अनुज तब बहुत खुश थे और एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने का प्लान बना रहे थे।

30 अक्टूबर के दिन हुआ था निधन

रूपेश ने अनुज को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा, 'शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे, मुझे एक कॉमन दोस्त का फोन आया जिसने मुझे अनुज के निधन की खबर दी। मुझे यकीन ही नहीं हुआ क्योंकि मैं 10 पहले ही उससे मिला था। अनुज के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा। मुझे बताया गया कि वह रात को सोने गया और फिर कभी नहीं उठा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हुआ क्या होगा।'

दौरे पड़ने की वजह से हुई मौत

रूपेश ने आगे लिखा, 'मैंने उसके भाई से बात की। उस समय वह इस हालत में नहीं था कि वह मुझे कुछ बता सके इसलिए शनिवार को मैं उसके परिवार से मिलने गया। तब मुझे पता चला कि अनुज को दौरे पड़े थे और उसी दौरान उसका निधन हो गया।' रूपेश आगे बताते हैं, 'अनुज सुबह जल्दी उठने वालों में से था। वह रोज सुबह 4:30 बजे उठकर अपना रूटीन फॉलो करता था। लेकिन उस सुबह वह नहीं उठा। सुबह 4:30 बजे उसका अलार्म बजा। जब उसकी मां उसे जगाने के लिए उसके कमरे में गईं तो अनुज नहीं उठा।'

10 दिन पहले जब मैं मिला तब उनके चेहरे पर : रूपेश

अनुज को याद करते हुए रूपेश ने लिखा, 'मैं अनुज को 2008 से जानता हूं, जब हमने अपने पहले शो 'बंधन सात जन्मों का' में एक साथ काम किया था। उसके बाद हमने कई और शोज में भी साथ काम किया। यह मान लेना बहुत मुश्किल है कि वे अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं उनसे सिर्फ 10 दिन पहले ही मिला था, और वे कमबैक करने के बारे में बात कर रहे थे। उनके चेहरे पर वही एक्साइटमेंट दिख रही थी जैसी 2008 में हुआ करती थी। वे हमेशा सबसे प्यार से बात करते थे और लोगों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते थे। वे हमेशा खुश रहते थे और लोगों की मदद करते थे। वे एक बेहतरीन व्यक्ति थे और मेरे लिए छोटे भाई की तरह थे। मुझे अभी भी समझ नहीं आ रहा कि उन्हें इतनी जल्दी हमें छोड़कर क्यों जाना पड़ा।'

किला मैदान में गूंजेगी भोजपुरी सितारों की आवाज, ग्लैमर एक्स एबीएस की भव्य लॉन्चिंग में जुटेंगे नामचीन कलाकार

3 नवंबर को माखनभोग हीरो की ओर से होगा विशेष आयोजन, अरविंद अकेला कल्लू, डिम्पल सिंह, गोलू राजा और शेषनाथ ओझा समेत कई भोजपुरी कलाकारों की मौजूदगी से सजेगी शाम

बक्सर (कलम लोक)। भोजपुरी संगीत की मधुर धुन, फिल्मी सितारों की चमक और आधुनिक तकनीक से लैस नई बाइक का आकर्षण मंगलवार, 3 नवंबर को बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में एक साथ देखने को मिलेगा। शहरवासियों को मनोरंजन और ऑटोमोबाइल की दुनिया का खास अनुभव देने के उद्देश्य से माखनभोग हीरो की ओर से हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक ग्लैमर एक्स एबीएस की भव्य लॉन्चिंग का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष समारोह में भोजपुरी फिल्म और संगीत जगत की कई चर्चित हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। नई बाइक की लॉन्चिंग के साथ भोजपुरी कलाकारों की प्रस्तुतियां कार्यक्रम को यादगार बनाने का काम करेंगी। आयोजन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं और शहर में इस कार्यक्रम को लेकर लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ने लगी है।

बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में आयोजित होने वाला यह समारोह केवल एक नई बाइक के बाजार में आगमन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे मनोरंजन और ग्राहकों से जुड़ाव के एक विशेष आयोजन के रूप में तैयार किया जा रहा है। माखनभोग हीरो की ओर से कार्यक्रम में भोजपुरी जगत के लोकप्रिय कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इनमें चर्चित गायक एवं अभिनेता अरविंद अकेला उर्फ कल्लू, अभिनेत्री डिम्पल सिंह, गायक गोलू राजा और गायक शेषनाथ ओझा सहित करीब आधा दर्जन भोजपुरी कलाकारों के पहुंचने की संभावना है। इन कलाकारों की मौजूदगी से कार्यक्रम में भोजपुरी संगीत और मनोरंजन का विशेष रंग देखने को मिलेगा।

भोजपुरी संगीत और फिल्मों के प्रशंसकों के बीच अरविंद अकेला उर्फ कल्लू की लोकप्रियता किसी परिचय की मोहताज नहीं है। वहीं अभिनेत्री डिम्पल सिंह की मौजूदगी भी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने वाली है। इसके अलावा गायक गोलू राजा और शेषनाथ ओझा सहित अन्य कलाकारों के आने की संभावना से संगीत प्रेमियों में उत्साह है। आयोजन में भोजपुरी गीत-संगीत की प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मनोरंजन का अवसर मिलेगा। खासकर युवाओं और भोजपुरी गीतों के शौकीनों के लिए यह कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बनने की उम्मीद है।

नई बाइक की लॉन्चिंग को लेकर भी ग्राहकों में उत्सुकता है। हीरो मोटोकॉर्प की ग्लैमर एक्स एबीएस को समारोह के दौरान लोगों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर बाइक के डिजाइन, तकनीकी विशेषताओं, सुरक्षा से जुड़े इंतजाम और आधुनिक सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। कंपनी की ओर से ग्राहकों को बताया जाएगा कि नई ग्लैमर एक्स एबीएस में किस तरह की तकनीक और सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा ये रोजमर्रा की यात्रा और राइडिंग के अनुभव को किस प्रकार बेहतर बनाने के उद्देश्य से शामिल की गई हैं।



लॉन्चिंग समारोह में बाइक के आधुनिक डिजाइन और तकनीकी सुविधाओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इस बाइक में एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) तकनीक दी गई है, जो ब्रेक लगाने के दौरान पहियों के अचानक लॉक होने की आशंका को कम करने में मदद करती है। यह तकनीक विशेष रूप से अचानक ब्रेक लगाने जैसी परिस्थितियों में वाहन पर नियंत्रण बनाए रखने के उद्देश्य से उपयोग की जाती है। कार्यक्रम में मौजूद कंपनी के प्रतिनिधियों की ओर से बाइक की तकनीकी विशेषताओं, डिजाइन और राइडिंग से संबंधित जानकारियां भी साझा की जाएंगी। नई ग्लैमर एक्स एबीएस को देखने के साथ ही ग्राहक इसकी खूबियों को नजदीक से समझ सकेंगे। बाइक खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए यह समारोह एक अवसर होगा, जहां वे वाहन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रतिष्ठान की ओर से ग्राहकों को नई बाइक से जुड़ी सुविधाओं और उपलब्ध विकल्पों के बारे में भी बताया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य नई ग्लैमर एक्स एबीएस को बक्सर के बाजार और ग्राहकों के बीच विशेष पहचान दिलाना है।

माखनभोग हीरो की ओर से कार्यक्रम में शामिल होने वाले ग्राहकों और बाइक प्रेमियों के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। नई बाइक की लॉन्चिंग के अवसर पर प्रतिष्ठान की ओर से आकर्षक ऑफर्स भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे उन लोगों को लाभ मिल सकता है, जो नई बाइक खरीदने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, उपलब्ध ऑफर्स और उनकी शर्तों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रतिष्ठान की ओर से दी जाएगी। कार्यक्रम में आने वाले लोग बाइक की विशेषताओं को जानने के साथ खरीदारी से जुड़े विकल्पों की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे।

माखनभोग हीरो के संचालक सुमित पाहवा ने बताया कि बक्सर में हीरो मोटोकॉर्प की नई ग्लैमर एक्स एबीएस की लॉन्चिंग को यादगार बनाने के उद्देश्य से भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को विशेष बनाने के लिए भोजपुरी फिल्म और संगीत जगत के लोकप्रिय कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। बाइक लॉन्चिंग के साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों को एक अलग अनुभव मिल सके। सुमित पाहवा के अनुसार, प्रतिष्ठान की कोशिश है कि नई बाइक की लॉन्चिंग को केवल व्यावसायिक कार्यक्रम के रूप में न रखकर शहरवासियों और ग्राहकों के लिए एक यादगार आयोजन बनाया जाए। इसी उद्देश्य से भोजपुरी कलाकारों को समारोह से जोड़ने की पहल की गई है। इससे बाइक के शौकीनों के साथ-साथ संगीत और मनोरंजन पसंद करने वाले लोगों को भी कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बक्सर के शहरवासियों, ग्राहकों, युवाओं और बाइक प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में किला मैदान पहुंचकर इस आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी कलाकारों की मौजूदगी और नई ग्लैमर एक्स एबीएस की लॉन्चिंग के कारण यह कार्यक्रम शहर के लिए खास होने जा रहा है। गौरतलब है कि बक्सर में आयोजित होने वाले इस समारोह को लेकर दोहरी उत्सुकता देखने को मिल रही है। एक ओर लोग हीरो मोटोकॉर्प की नई ग्लैमर एक्स एबीएस को देखने और उसकी तकनीकी विशेषताओं के बारे में जानने को उत्सुक हैं, वहीं दूसरी ओर भोजपुरी कलाकारों की प्रस्तुतियों को लेकर भी प्रशंसकों में खासा उत्साह है। शहर के ऐतिहासिक किला मैदान में होने वाला यह आयोजन स्थानीय लोगों को एक ही मंच पर नई बाइक और भोजपुरी मनोरंजन का आनंद लेने का अवसर प्रदान करेगा।

कुल मिलाकर मंगलवार, 3 नवंबर को किला मैदान में होने वाली ग्लैमर एक्स एबीएस की भव्य लॉन्चिंग बक्सर के लिए एक विशेष आयोजन बनने जा रही है। माखनभोग हीरो की इस पहल के माध्यम से नई बाइक को ग्राहकों के सामने पेश करने के साथ भोजपुरी कलाकारों के जरिए मनोरंजन का माहौल तैयार किया जाएगा। अब शहरवासियों की नजरें इस आयोजन पर टिकी हैं, जहां नई बाइक की खूबियों और भोजपुरी सितारों की मौजूदगी का आकर्षण एक साथ देखने को मिलेगा।

65 साल की उम्र में भी नहीं थमा दौड़ने का जुनून

जगन्नाथ सिंह ने मास्टर गेम्स में जीते तीन स्वर्ण पदक

बक्सर (कलम लोक)। मउम्र के 65वें पड़ाव पर जहां अधिकांश लोग शारीरिक गतिविधियों से दूरी बनाकर आराम को प्राथमिकता देने लगते हैं, वहीं बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पीठारी गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक जगन्नाथ सिंह ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति अटूट जुनून से एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। उन्होंने असम में आयोजित ऑल असम यूनाइटेड मास्टर गेम्स-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अलग-अलग दौड़ प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर बक्सर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव सहित पूरे जिले में खुशी का माहौल है।



ऑल असम यूनाइटेड मास्टर गेम्स-2026 का आयोजन 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को असम के डिब्रूगढ़ स्थित खनिकर स्टेडियम में किया गया था। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे मास्टर एथलीटों ने हिस्सा लिया। इस खेल आयोजन में 65 वर्षीय जगन्नाथ सिंह ने अपनी फिटनेस, नियमित अभ्यास और मजबूत इच्छाशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 10,000 मीटर, 5,000 मीटर और 1,500 मीटर दौड़ स्पर्धाओं में भाग लिया और तीनों में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जगन्नाथ सिंह की यह सफलता इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने उम्र को अपनी राह की बाधा नहीं बनने दिया। सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल के प्रति उनका समर्पण और लगातार अभ्यास के प्रति प्रतिबद्धता बनी हुई है। तीन अलग-अलग दूरी की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतना उनकी शारीरिक क्षमता, धैर्य और अनुशासित जीवनशैली को दर्शाता है। उनकी इस उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत के बल पर किसी भी उम्र में अपनी प्रतिभा साबित की जा सकती है।

पीठारी गांव के रहने वाले जगन्नाथ सिंह की इस उपलब्धि पर स्थानीय लोगों में भी उत्साह है। उनकी सफलता से न केवल गांव बल्कि पूरे बक्सर जिले का गौरव बढ़ा है। एक सेवानिवृत्त शिक्षक होने के बावजूद खेल के मैदान में लगातार सक्रिय रहना और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करना युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों के लिए भी प्रेरणा का विषय है।

राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग को लेकर बेल्ट्रॉन कर्मियों ने निकाला रोड मार्च

बक्सर (कलम लोक)। बिहार में बेल्ट्रॉन के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त एवं कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटरों तथा अन्य संविदा कर्मियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अब सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। इसी कड़ी में रविवार को बिहार राज्य डाटा एंट्री ऑपरेटर संघ एवं संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बक्सर में कर्मियों ने जोरदार रोड मार्च निकालकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। यह मार्च कवलदह पोखरा से शुरू होकर किला मैदान तक पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में शामिल डाटा एंट्री ऑपरेटरों एवं संविदा कर्मियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

कर्मियों की प्रमुख मांगों में उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान करना तथा सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार को उनका नोडल विभाग घोषित करना शामिल है। संघ का कहना है कि वर्षों से विभिन्न सरकारी विभागों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बावजूद कर्मियों को स्थायी भविष्य और सेवा सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। लंबे समय से सेवा देने वाले इन कर्मियों के हितों की अनदेखी से उनमें असंतोष बढ़ता जा रहा है। रोड मार्च के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने सरकार को स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि 15 नवंबर 2026 तक उनकी जायज मांगों पर सरकार की ओर से कोई सकारात्मक एवं लिखित निर्णय नहीं लिया जाता है, तो संयुक्त मोर्चा राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। आंदोलन की रूपरेखा भी घोषित कर दी गई है। संघ के अनुसार, आंदोलन के प्रथम चरण में सभी कर्मी कार्य दिवसों के दौरान काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराएंगे। दूसरे चरण में धरना-प्रदर्शन, महारैली और आमरण अनशन के माध्यम से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई जाएगी। इसके बाद तीसरे चरण में दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की जाएगी।

बारातियों और स्थानीय युवकों के बीच खूनी झड़प

जमकर चले लात-घूंसे, कई घायल; एक की हालत गंभीर

बक्सर (कलम लोक)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नई बाजार मठिया मोड़ मल्लाहचकीया के समीप रविवार की रात बारातियों और स्थानीय युवकों के बीच जमकर मारपीट हो गई। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इस घटना में कई बाराती घायल हो गए। घायलों में सिमरी थाना क्षेत्र के बलिहार गांव निवासी परविंदर उर्फ करिया सिंह (45 वर्ष), पिता स्व. गजाधर सिंह तथा राजा सिंह, पिता मुना सिंह सहित अन्य लोग शामिल हैं। मारपीट में करिया सिंह के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, सभी लोग एक गांव की बारात में शामिल होकर बक्सर आए थे। रविवार की रात नई बाजार मठिया मोड़ के पास बारात में शामिल कुछ लोगों ने वहां मौजूद दो स्थानीय युवकों से मैरेज हॉल जाने का रास्ता पूछा। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि बारात में शामिल कुछ लोग नशे की हालत में थे। विवाद बढ़ने पर कुछ बारातियों ने स्थानीय युवकों के साथ मारपीट और गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। बताया जा रहा है कि इस झड़प में 10 से अधिक लोग शामिल थे। मारपीट के दौरान परविंदर उर्फ करिया सिंह के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं, जबकि राजा सिंह सहित अन्य लोग भी घायल हो गए।

घटना के बाद सभी घायलों को आनन-फानन में बक्सर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। करिया सिंह की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद सोमवार को घायल बाराती शिकायत दर्ज कराने मुफस्सिल थाना पहुंचे। मामले में मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभु भगत ने बताया कि मारपीट की घटना सामने आई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों के माध्यम से मारपीट में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मामूली विवाद से शुरू हुई इस घटना में कई लोगों के घायल होने के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना में शामिल लोगों की पहचान और उनकी भूमिका स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

29 नवंबर से शुरू होगी ऐतिहासिक पंचकोसी परिक्रमा, 3 दिसंबर को चरित्रवन में लगेगा लिट्टी-चोखा का भोग

बसाव मठिया में पंचकोसी परिक्रमा समिति की महत्वपूर्ण बैठक में तैयारियों पर हुई चर्चा

अहिरौली से नदाव, भभुआ और बड़का नुआव होते हुए चरित्रवन पहुंचेगी धार्मिक यात्रा

4 दिसंबर को संत समाज का होगा सम्मान

बक्सर (कलम लोक)।

धार्मिक, आध्यात्मिक और पौराणिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध बक्सर में एक बार फिर पंचकोसी परिक्रमा मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस वर्ष पंचकोसी परिक्रमा मेला 29 नवंबर से प्रारंभ होकर 4 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं के विभिन्न धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों पर पहुंचने और परिक्रमा में शामिल होने की उम्मीद है। पंचकोसी परिक्रमा की परंपरा के अनुसार श्रद्धालु अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करेंगे। इस आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण 3 दिसंबर को चरित्रवन में लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा होगी। आयोजन को व्यवस्थित, भव्य और सफल बनाने के उद्देश्य से सोमवार को शहर के स्टेशन रोड स्थित बसाव मठिया में पंचकोसी परिक्रमा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिक्रमा के कार्यक्रम, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, धार्मिक व्यवस्थाओं और आयोजन की तैयारियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता पंचकोसी परिक्रमा समिति के अध्यक्ष महंत अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने की। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पंचकोसी परिक्रमा से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष के आयोजन को सफल बनाने पर जोर दिया। बैठक में परिक्रमा के प्रत्येक पड़ाव पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी कराने को लेकर चर्चा हुई। समिति की ओर से बताया गया कि पंचकोसी परिक्रमा बक्सर की धार्मिक पहचान और प्राचीन आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक यात्रा में शामिल होकर निर्धारित पांच पड़ावों पर पूजा-अर्चना करते हैं और धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हैं।



समिति के सचिव डॉ. रामनाथ ओझा ने बताया कि इस वर्ष पंचकोसी परिक्रमा मेला 29 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगा। धार्मिक परंपरा के अनुसार श्रद्धालु सबसे पहले गंगा स्नान और गंगा आरती के बाद गंगाजल लेकर अपनी यात्रा प्रारंभ करेंगे। इसके बाद निर्धारित क्रम में विभिन्न धार्मिक स्थलों और आश्रमों में पहुंचकर पूजा-अर्चना करेंगे। पांचवें पड़ाव पर चरित्रवन पहुंचने के साथ ही परिक्रमा की प्रमुख धार्मिक परंपरा पूरी होगी। यहां श्रद्धालु पारंपरिक लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करेंगे। पंचकोसी परिक्रमा के दौरान प्रत्येक पड़ाव का अपना धार्मिक और पौराणिक महत्व माना जाता है।

डॉ. रामनाथ ओझा ने बताया कि 29 नवंबर, रविवार को पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ रामरेखा घाट पर गंगा आरती के साथ होगा। गंगा आरती के बाद श्रद्धालु गंगाजल लेकर अपनी धार्मिक यात्रा प्रारंभ करेंगे और पहले पड़ाव अहिरौली स्थित अहिल्या मंदिर पहुंचेंगे। यहां पूजा-अर्चना के साथ पंचकोसी परिक्रमा की पहली कड़ी पूरी की जाएगी। अहिरौली का अहिल्या मंदिर धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। पंचकोसी परिक्रमा में इस स्थल को प्रथम पड़ाव के रूप में शामिल किया गया है। गंगा आरती और गंगाजल लेकर यात्रा प्रारंभ करने की परंपरा इस आयोजन को विशेष धार्मिक स्वरूप प्रदान करती है।

पंचकोसी परिक्रमा के मुख्य आयोजन के अगले दिन 4 दिसंबर, शुक्रवार को स्टेशन रोड स्थित बसाव मठिया में संत समाज के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संत समाज को प्रसाद, अंगवस्त्र एवं दक्षिणा प्रदान कर सम्मानपूर्वक विदाई दी जाएगी। समिति की ओर से संतों के सम्मान और सेवा से जुड़ी इस परंपरा को भी आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है। इसी दिन विश्राम कुंड पर मेले का विश्राम होगा। इसके साथ ही इस वर्ष के पंचकोसी परिक्रमा मेले का निर्धारित कार्यक्रम संपन्न हो जाएगा। बैठक में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को लेकर अपनी जिम्मेदारियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की। सभी ने इस बात पर जोर दिया कि पंचकोसी परिक्रमा में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा धार्मिक यात्रा के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं का बेहतर संचालन हो। समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन की गरिमा बनाए रखने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने कहा कि पंचकोसी परिक्रमा बक्सर की प्राचीन धार्मिक परंपरा से जुड़ा आयोजन है, इसलिए इसे पूरी श्रद्धा और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना सामूहिक जिम्मेदारी है।

समिति ने भक्तजनों और धर्मप्रेमियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों के अनुसार पंचकोसी परिक्रमा में शामिल होकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं। साथ ही अधिक से अधिक लोगों तक आयोजन की जानकारी पहुंचाने और धार्मिक परंपराओं में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। कुल मिलाकर 29 नवंबर से शुरू होने वाली पंचकोसी परिक्रमा बक्सर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण आयोजन होगी। रामरेखा घाट की गंगा आरती से शुरू होकर अहिरौली, नदाव, भभुआ और बड़का नुआव होते हुए चरित्रवन तक पहुंचने वाली यह यात्रा श्रद्धालुओं को पांच धार्मिक पड़ावों से जोड़ेगी। 3 दिसंबर को लिट्टी-चोखा के प्रसाद और 4 दिसंबर को संत समाज के सम्मान के साथ इस वर्ष का आयोजन संपन्न होगा।

30 नवंबर को नदाव स्थित नारद आश्रम पहुंचेगी यात्रा

परिक्रमा के दूसरे दिन 30 नवंबर, सोमवार को श्रद्धालु नदाव स्थित नारद आश्रम पहुंचेंगे। यह पंचकोसी परिक्रमा का दूसरा पड़ाव होगा। यहां श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना करेंगे। समिति की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन अहिरौली में पूजा के बाद अगले दिन नदाव में परिक्रमा की परंपरा आगे बढ़ेगी। इस तरह श्रद्धालु निर्धारित धार्मिक मार्ग पर चलते हुए पंचकोसी यात्रा को क्रमबद्ध तरीके से पूरा करेंगे।

1 दिसंबर को भभुआ के भागेश्वर मंदिर में करेंगे दर्शन

पंचकोसी परिक्रमा का तीसरा पड़ाव 1 दिसंबर, मंगलवार को होगा। इस दिन श्रद्धालु भभुआ स्थित भागेश्वर मंदिर पहुंचेंगे। यहां पूजा-अर्चना के बाद परिक्रमा की धार्मिक यात्रा आगे बढ़ेगी। पांच दिनों तक चलने वाली इस परिक्रमा में श्रद्धालु प्रत्येक पड़ाव पर पहुंचकर संबंधित धार्मिक स्थल का दर्शन और पूजन करेंगे। समिति की ओर से सभी निर्धारित तिथियों के अनुसार कार्यक्रम संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है।

2 दिसंबर को बड़का नुआव के उद्यालक आश्रम पहुंचेगी परिक्रमा

परिक्रमा के चौथे दिन 2 दिसंबर, बुधवार को श्रद्धालु बड़का नुआव स्थित उद्यालक आश्रम पहुंचेंगे। यह पंचकोसी परिक्रमा का चौथा पड़ाव होगा। यहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार श्रद्धालु पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद अगले दिन यात्रा अपने अंतिम और महत्वपूर्ण पड़ाव चरित्रवन के लिए आगे बढ़ेगी। इस प्रकार अहिरौली, नदाव, भभुआ और बड़का नुआव के बाद चरित्रवन पहुंचकर पंचकोसी परिक्रमा की मुख्य धार्मिक यात्रा पूरी होगी।

3 दिसंबर को चरित्रवन में लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करेंगे श्रद्धालु

पंचकोसी परिक्रमा का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चित आयोजन 3 दिसंबर, गुरुवार को चरित्रवन में होगा। इस दिन श्रद्धालु पांचवें पड़ाव पर पहुंचेंगे और परंपरागत रूप से लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करेंगे। बक्सर की पंचकोसी परिक्रमा में चरित्रवन का विशेष महत्व है। यहां लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा इस धार्मिक आयोजन की अलग पहचान बन चुकी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दिन चरित्रवन पहुंचते हैं और धार्मिक आस्था के साथ इस परंपरा में भाग लेते हैं। पंचकोसी परिक्रमा के दौरान पांचों पड़ावों की यात्रा पूरी करने के बाद चरित्रवन में होने वाला यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480